डाक पंजीयन क्रं. छ.ग./दुर्ग/13/2024-26
आर.एन.आई. पंजी. क्रं. 54135/88

Email- srambindu@gmail.com
shrambindu@yahoo.in

दैनिक श्रमबिन्दु

प्रधान संपादक : शिव श्रीवास्तव

भिलाई संस्करण
रविवार 28 जुलाई 2024
वर्ष - 38, अंक - 30
पृष्ठ-8, मूल्य- 01 रूपए

38 वर्ष 1987-2023

भिलाई एवं रांची से एक साथ प्रकाशित समाचार पत्र...

आप भी समाचार भेज सकते है
वाट्सअप: 8349764019
9098178627
srambindu.com

खास खबर...

केन्द्र सरकार 4 करोड़ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराएगी : मनसुख मांडविया

रायपुर। केन्द्र सरकार द्वारा पारित बजट की बारीकियों से बुद्धिजीवियों से रूबरू होने के लिए एक दिवसीय प्रवास पर पहुंचे केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भवन में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि बजट पर चर्चा के लिए वे बुद्धिजीवियों से चर्चा हेतु रायपुर आए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 5 वर्षों में केन्द्र सरकार 4 करोड़ युवाओं को देश में विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज देश में राज्य सरकार द्वारा आईटीआई का संचालन किया जा रहा और केंद्र की सरकार स्किल आईटीआई को हब बनाएगी और युवाओं के लिए अधिकाधिक रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराएगी। एक करोड़ युवाओं का स्किल डेवलपमेंट किया जाएगा। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में बजट का प्रावधान किया गया है। ई-कॉमर्स प्लेटफार्म विकसित कर सूक्ष्म लघु उद्योग को लाभ होगा। रोजगार के साथ मानव संसाधन की व्यवस्था जरूरी है। सामाजिक विकास को भी महत्व दिया जाएगा। बजट में ग्रामीण क्षेत्रों के गांव का समुचित विकास हो, सड़क हो, पानी की व्यवस्था हो, सफाई हो, मूलभूत सभी सुविधाएं हो, वहां के उत्पादित सामग्री के लिए पास में बाजार हो, सामान की बिक्री हो यह सब सुनिश्चित किया जाएगा।

हाथियों के आतंक से क्षेत्रवासी दहशत में

जशपुर। प्रदेश के कई इलाकों से पिछले कुछ दिनों में लगातार हाथियों के आतंक की खबर आ रही है। हाथियों का आतंक इतना बढ़ चुका है कि जंगली क्षेत्र में बसे लोगों में दहशत का माहौल है हाथियों के आतंक के चलते कई लोगों की जान भी चली गई। कुछ ऐसा ही मामला जशपुर जिले के तपकरा वन परिक्षेत्र के ग्राम केरसई से सामने आई है। जहां हाथियों का उत्पात जारी है. बीती रात तपकरा वन परिक्षेत्र के ग्राम केरसई में हाथियों के दल ने एक घर को तोड़ दिया और घर में सो रहे दो सगे भाइयों को पटक-पाटकर मार डाला, जबकि परिवार के अन्य सदस्य हाथियों को देख भाग खड़े हुए। जिससे उनकी जान बच गई।

छग के दो जिलों को जल्द मिलेगी खेलों इंडिया सेंटर की स्वीकृतिः डॉ. मांडविया

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि छत्तीसगढ़ के दो जिलो में जल्द ही खेलों इंडिया सेंटर की स्वीकृति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा खेलों इंडिया सेंटरों में अधोसंरचना निर्माण के लिए भरपूर मदद दी जाएगी। केन्द्रीय खेल मंत्री न्यू सर्किट हाउस में खेल एवं श्रम विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, विधायक किरण देव सिंह, सुशांत शुक्ला भी उपस्थित थे।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के 31 जिलों में खेलों इंडिया सेंटर का संचालन किया जा रहा है। दो जिलों में खेलों इंडिया सेंटर की स्वीकृति मिलने के बाद राज्य के सभी जिलों में खेलों इंडिया सेंटर प्रारंभ हो जाएंगे। इससे राज्य के खेल प्रतिभाओं को निखरने का अवसर मिलेगा। इन सेंटरों में 1181 खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं।

केन्द्रीय खेल मंत्री ने कहा कि राज्य में खेल एवं खिलाड़ियों के संवर्धन और विकास के लिए राज्य में उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग किया जाए।

राज्य में स्थापित उद्योगों से खेलों के लिए सीएसआर मद से राशि उपलब्ध कराने के प्रयास किया जाए। खेलों इंडिया के तहत राज्य में स्थापित सभी सेंटरों में खेलों के लिए आवश्यक सभी संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

श्रम विभाग की समीक्षा करते हुए केन्द्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि राज्य के श्रमिकों के कल्याण के लिए चलाई जा रही केन्द्रीय एवं राज्य योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ दिलाए जाएं। औद्योगिक संस्थानों में श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए औषधालयों में आवश्यक उपकरण और विशेषज्ञों के साथ-साथ आवश्यक दवाईयों का भण्डारण पर्याप्त रूप से हो। उन्होंने कहा कि औद्योगिक संस्थानों में श्रमिकों को उनके कौशल के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराएं। श्रमिकों के लिए आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था के साथ-साथ सिकलसेल के परीक्षण एवं उपचार की भी व्यवस्था की जाए। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम विभाग मंत्री लखन लाल देवांगन और खेल मंत्री टंक राम वर्मा ने राज्य में खेलों के विकास के लिए स्कूल स्तर से ही बच्चों को सुविधाएं और प्रशिक्षण की व्यवस्था पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि खेल मैदान में आवश्यक संसाधन एवं सुविधाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है।

श्रम विभाग की सचिव श्रीमती अलरमेलमंगई डी. ने अवगत कराया कि राज्य के श्रमिकों का पंजीयन कर श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया जा रहा है। राज्य के प्रवासी श्रमिकों के लिए विभिन्न राज्यों में प्रवासी संसाधन केन्द्र अर्थात मोर चिन्हारी भवन का निर्माण किया जा रहा है।

विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने केन्द्रीय बजट से मिलेगी मदद

केंद्र सरकार का आम बजट जनहितकारी है। यह सभी वर्गों के कल्याण के लिए बनाया गया है, इससे विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में काम करने में मदद मिलेगी। यह बात केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित बजट संवाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कही। उन्होंने अपने संबोधन में विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने वाले सभी पहलुओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा नेतृत्व में हम 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने में जरुर सफल होंगे। केंद्रीय मंत्री डॉ मांडविया ने कहा कि बजट सरकार की कार्यशैली का प्रतिबिंब होता है।

सहकारिता के क्षेत्र में युवा वर्ग को प्रतिनिधित्व प्रदेश हित में : लखन लाल साहू

सहकारिता को पाठ्यक्रम में स्थान मिले

श्रमबिन्दु / भिलाई

सीएम विष्णुदेव साय से औद्योगिक चर्चा के दौरान एपेक्स के संचाल एवं श्रम सहकारी समिति नई दिल्ली के अध्यक्ष लखन लाल साहू ने छ.ग. प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में ग्रामीण जनों का आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक विकास के संबंध में अपार संभावनाएं हैं किंतु शासन एवं प्रशासन का इस दिशा में समुचित ध्यान नहीं दिये जाने के परिणाम स्वरूप ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का विकास नहीं हो पा रहा है। इसलिए सहकारिता को मजबूत बनाने से कमजोर लोगों को आर्थिक, सामाजिक राजनीति के क्षेत्र में नये अवसर प्राप्त होंगे।

सुझाव दिया कि पाठ्यक्रम में सहकारिता को जोड़ना प्रदेश के युवा वर्ग को सहकारिता के विषय में जानकारी का अभाव होता है। इसलिए प्रदेश के प्राथमिक मिडिल एवं हायर सेकंडरी स्कूलों में सहकारिता के विषय को शामिल किया जावे ताकि नई विधि को सहकारिता के विषय में समुचित जानकारी हो जिसका लाभ प्रदेश के लोगों को प्राप्त होगा। निर्वाचन सहकारी संस्थाओं में प्रत्येक 5 वर्ष में निर्वाचन कराये जाने का प्रावधान है। किंतु समय पर निर्वाचन नहीं होने के कारण नये लोगों को जुड़ने का अवसर प्राप्त नहीं हो पाता है।

श्री साहू ने आगे गहा कि प्रत्येक 5 वर्ष सहकारी संस्थाओं में भी अन्य संस्थाओं की भांति निर्वाचन कराया जाये जिससे नये लोगों को सहकारिता के क्षेत्र में जुड़ने का अवसर प्राप्त हो सके। क्षेत्र के संस्थाओं में जन प्रतिनिधियों की नियुक्ति जिस प्रकार सहकारी से माननीय प्रधानमंत्री जी की सोच है कि नवयुवकों को विधायक, सांसद एवं मंत्री बनाकर नवयुवकों को अवसर दिया जा रहा है। इसी भावना के अनुरूप प्रदेश में भी सहकारी क्षेत्र के संस्थाओं में शासन द्वारा चुनाव नहीं पुराने. अथवा वृद्ध लोगों के स्थान पर नवयुवकों को उनहोने की दशा मे के रूप में नियुक्ति का अवसर दिया जाना चाहिये।

सीआरपीएफ स्थापना दिवस : पीएम मोदी ने फोर्स के अटूट समर्पण को सराहा

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स, सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षाबलों को बधाई देते हुए देश की सुरक्षा में सीआरपीएफ की भूमिका को सर्वोपरि बताया।उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए अपने पोस्ट में कहा, सीआरपीएफ के स्थापना दिवस के अवसर पर सभी को मेरी शुभकामनाएं। राष्ट्र के प्रति उनका अटूट समर्पण और उनकी अथक सेवा वास्तव में सराहनीय है। वे हमेशा साहस और प्रतिबद्धता के उच्चतम मानकों के पक्षधर रहे हैं। हमारे देश को सुरक्षित रखने में भी उनकी भूमिका सर्वोपरि है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर सुरक्षा बलों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। बता दें, सीआरपीएफ की स्थापना आजादी से पहले 1939 में अंग्रेजों ने की थी. तब इस बल का नाम क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस था। आजादी के बाद 28 दिसंबर, 1949 को संसद में एक अधिनियम लाकर इस बल का नाम केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल कर दिया गया।आजादी के बाद देशी रियासतों को भारत सरकार के अधीन लाने की जिम्मेदारी भी सीआरपीएफ को दी गई। सीआरपीएफ ने वीरता दिखाते हुए जूनागढ़, हैदराबाद, काठियावाड़ और कश्मीर जैसी रियासतों को भारत में शामिल कराने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। इन रियासतों ने भारत में शामिल होने से इनकार कर दिया था। इसके साथ ही राजस्थान, कच्छ और सिंध सीमाओं में घुसपैठ की जांच में सीआरपीएफ ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई।

अजय सिंह पर कार्रवाई न होने से आदिवासी समाज में रोष

आदिवासी युवक को प्रताड़ित करने का आरोप, दहशत में जी रहा है आदिवासी युवक प्रकाश

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

जगदलपुर। निजी जमीन को खनिज लीज पर देने के नाम से बोरिंग पारा भैरमगढ़ निवासी आदिवासी युवक प्रकाश पांडे जाति हल्बा से 15 लाख रुपए की मांग करते हुए उसे अजय सिंह द्वारा जातिगत तौर पर प्रताड़ित व गाली गलौज किए जाने का आरोप सर्व आदिवासी समाज ने लगाया है। समाज ने इस मसले को लेकर राजयपाल को ज्ञापन भी सौंपा है। समाज ने अजय सिंह की गिरफ्तारी न होने पर कलेक्ट्रेट का घेराव करने की चेतावनी दी है।

बताया गया है कि अजय सिंह भी बस्तर संभाग के बीजापुर जिले के भैरमगढ़ का निवासी है। 16 जुलाई को अजय सिंह अपने सशस्त्र सुरक्षा जवानों के साथ आदिवासी युवक प्रकाश पांडे हल्बा के पास पहुंचा था। इसी दौरान उसने प्रकाश से निजी भूमि को खनिज लीज पर देने के नाम से 15 लाख की डिमांड करते हुए गाली गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। अजय सिंह को सशस्त्र सुरक्षा जवानों को देख प्रकाश दहशत के बीच जी रहा है और छुपते फिर रहा है। प्रकाश ने मामले की शिकायत भैरमगढ़ थाने में की है, मगर पुलिस ने आज तक अजय सिंह पर कोई कार्रवाई नहीं की है और प्रकाश दहशत से उबर नहीं पा रहा है। आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में एक आदिवासी को इंसाफ न मिलने से आदिवासी समुदाय में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। सर्व आदिवासी समाज की बीजापुर जिला इकाई के पदाधिकारियों ने इस मामले में मोर्चा खोल दिया है। समाज के प्रतिनिधि मंडल ने रायपुर जाकर राजयपाल को ज्ञापन सौंपा है। सर्व आदिवासी समाज के बीजापुर जिला अध्यक्ष जग्गू राम तेलामी ने कहा है कि अगर अजय सिंह पर एस्ट्रोसिटी एक्ट के तहत जुर्म दर्ज कर उसकी तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। जग्गू राम तेलामी ने कहा है कि 30 जुलाई तक अजय सिंह को सुसंगत धाराओं के तहत गिरफ्तार नहीं किया गया, तो 1 अगस्त को बीजापुर कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

विवादों से रहा है नाता

अजय सिंह का विवादों से पुराना नाता रहा है। दो दिन पहले ही बीजापुर कलेक्टर को उनके द्वारा फोन से धमकाए जाने का मामला सामने आया था। पहले कांग्रेस में रहे अजय सिंह भाजपा में आ गए हैं। किसी ठेके को लेकर भाजपा नेता अजय सिंह और बीजापुर कलेक्टर में गरमा गरम बहस का ऑडियो टेप वायरल हुआ है। अजय सिंह ऑडियो में कलेक्टर को चार दिनो में निपटाने की बात करते सुनाई दे रहे हैं। वे कलेक्टर को बता नौकर कह रहे हैं। वायरल ऑडियो में कलेक्टर से अजय सिंह धमकाने वाले अंदाज में बात करते सुनाई दे रहे हैं। कांग्रेस शासन काल में युवा आयोग के सदस्य रहे और पूर्व सीएम भूपेश के खासम खास माने जाने वाले बीजापुर के नेता अजय सिंह ने कलेक्टर बीजापुर अनुराग पांडेय को फोन कर उनधमकाने की कोशिश की। अजय सिंह स्वार्थ के लिए बार बार पार्टी बदलने वाले नेता के रूप में पहचान बना चुके हैं। इसके पहले वे विधायक विक्रम मंडावी पर अनर्गल आरोप लगाते हुए मीडिया की सुर्खियों में रहे हैं।

नीति आयोग की बैठक में शामिल हुए सीएम साय

राज्य की विकास योजना पर की बात

श्रमबिन्दु / रायपुर

नई दिल्ली/रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की नौवीं बैठक में राज्य की विकास योजना प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राज्य की प्राथमिकताओं और विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी, जिसमें शिक्षा, मानव संसाधन विकास , स्वास्थ्य, और तकनीकी उन्नति पर जोर दिया गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए प्रस्तावित योजनाओं को साझा किया, जो विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में राज्य की भूमिका को स्पष्ट करती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि , छत्तीसगढ़ 2047 तक विकसित भारत में प्रमुख भूमिका निभाएगा। वर्तमान में राज्य का GSDP 5.05 लाख करोड़ रुपये है, जिसे अगले पांच वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार और लक्ष्यों पर काम शुरू किया गया है।

बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य के विकास में युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ का मुख्य फोकस स्किल्ड मानव संसाधन तैयार करने पर है। छत्तीसगढ़ में शिक्षा को व्यावसायिक कौशल और ट्रेनिंग से जोड़ा जा रहा है। इसका उद्देश्य छात्रों को ऐसी क्षमताएँ देना है जो उन्हें रोजगार के लिए तैयार करें। राज्य में प्रत्येक छात्र के लिए 'वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी कार्ड' बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसमें छात्र के शैक्षणिक अनुभव से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारी डिजिटल रूप में मौजूद होंगी। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर उपलब्धता, सतत विकास, और राज्य की संस्कृति व परंपरा के संरक्षण की योजना साझा की। आर्थिक सशक्तिकरण के लिए छत्तीसगढ़ सुपर फूड्स की पैदावार और प्राकृतिक औषधालयों का निर्माण किया जाएगा। स्थानीय उत्पादों की प्रोसेसिंग और ब्रांडिंग को बढ़ावा मिलेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आईटी सेक्टर के विस्तार के साथ-साथ सड़कों, इमारतों जैसी भौतिक संरचनाओं और इंटरनेट, मोबाइल नेटवर्क जैसी डिजिटल सुविधाओं के विकास पर भी जोर दिया जाएगा।मुख्यमंत्री साय ने ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में बेहतर विद्युत आपूर्ति के लिए केंद्र से सहयोग की अपील की। उन्होंने बताया कि छतों पर सौर ऊर्जा लगाने की प्रक्रिया को सरल कर दिया गया है और 100 गांवों को पूरी तरह नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित बनाने की योजना बनाई है। सरकारी भवनों में रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए सर्वे पूरा कर लिया गया है, और नया रायपुर के अधिकांश सरकारी भवनों में ये संयंत्र स्थापित कर दिए गए हैं, जिनसे विद्युत आपूर्ति ग्रिड में की जाती है।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ में मार्च 2026 तक 96 प्रतिशत घरों में पेयजल पहुंचा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य 2047 तक केवल विकसित ही नहीं, बल्कि जल-सुरक्षित भारत 2047 भी होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार से तकनीकी और आर्थिक सहयोग की उम्मीद जताई। इसके अलावा, रायपुर में नेशनल ग्राउंड वाटर ट्रेनिंग और रिसर्च इंस्टीट्यूट को और मजबूत करने के साथ-साथ वर्षा-जल संरक्षण अनुसंधान केंद्र की स्थापना की भी मांग की। उन्होंने कहा कि, इसकी स्थापना से छत्तीसगढ़ में बारिश के पानी को सही से संचित और इस्तेमाल किया जा सकेगा। इससे जल संकट कम होगा और किसानों को ज्यादा मदद मिलेगी।

भारत ने बढ़ाई चीन की टेंशन, लद्दाख में बनेगी दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग

श्रमबिन्दु / नई दिल्ली (एजेंसी)

लद्दाख में दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग का काम शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश और केंद्र-शासित प्रदेश लद्दाख के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी सुविधा प्रदान करने वाली सुरंग के निर्माण के लिए 'पहला विस्फोट' किया। निर्माण पूरा होने के बाद यह दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी।

शिंकुन ला सुरंग न केवल हमारे सशस्त्र बलों और उपकरणों की तेज एवं कुशल आवाजाही सुनिश्चित करेगी, बल्कि लद्दाख में आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा देगी। शिंकुन ला सुरंग परियोजना में 4.1 किलोमीटर लंबी दोहरी-ट्यूब सुरंग शामिल है। इसका निर्माण निमू-पदुम-दारचा रोड पर लगभग 15,800 फुट की ऊंचाई पर किया जाएगा। शिंकुन ला सुरंग प्रोजेक्ट के 4 साल में पूरा होने का अनुमान है। सुरंग पश्चिमी लद्दाख और जस्कर घाटी के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगी।

वर्तमान में चीन की मीला टनल 15590 फीट की ऊंचाई पर है। नई सुरंग लंबी दूरी से की जाने वाली बमबारी या मिसाइल हमलों को झेलने में सक्षम होगी। इस तरह युद्ध की स्थिति में इसका इस्तेमाल बंकर के रूप में भी किया जा सकेगा। सुरंग के निर्माण के बाद मनाली और लेह के बीच दूरी 60 किलोमीटर कम हो जाएगी।

इस सुरंग के निर्माण पर 1681 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। चीन और पाकिस्तान की तरफ से किसी भी तरह के हमले की स्थिति में सीमा तक सेना के लिए रसद और हथियार पहुंचाने में आसानी होगी।

[खास खबर]

दीप्ति पांडे ने छप्पन भोग दिया मुख्यमंत्री को

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

शहर के ओंकार पांडे व दीप्ति पांडे ने गुरुवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को राजधानी स्थित उनके निवास में जाकर 56 भोग दिया। मालूम हो की इस वर्ष गोंचा महापर्व के दौरान दीप्ति पांडे परिवार द्वारा सिरहासार भवन में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को छप्पन किया अर्पण किया गया था, जिसमें सैकड़ो श्रद्धालुओं ने छप्पन किया का प्रसाद ग्रहण किया। दीप्ति पांडे ने बताया पिछले 25 वर्षों से लगातार उनके परिवार द्वारा भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया जा रहा है। आगे भी इस परंपरा का निर्वहन किया जाएगा।

डेंगू मलेरिया से बचाव को लेकर विद्यार्थियों को किया जागरूक

श्रमबिन्दु / भानपुरी - बस्तर

बारिश के मौसम में पानी का जमाव लाजमी है व देखा जाता है कि इन दिनों लगातार बारिश के चलते मच्छरों की संख्या में काफी बढ़ोतरी होती है जिससे डेंगू मलेरिया जैसे जानलेवा बीमारी पैदा होती है। इसी के चलते शिक्षा विभाग इसे गंभीरता से लेते हुए विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए शनिवार को बैगलेस डे पर सुरक्षित शनिवार के तहत डेंगू मलेरिया से बचाव एवं रोकथाम की गतिविधि बस्तर विकास खंड के प्राथमिक शाला बड़ेपारा संकुल फरसागुड़ा में शिक्षक उमाशंकर साहू के द्वारा डेंगू मलेरिया से बचाव, लक्षण व रोकथाम के बारे में बच्चों के साथ विस्तार से चर्चा किया गया। शिक्षक श्री साहू के द्वारा बताया कि जब हमें अचानक से बुखार आने लगे जोड़ो पर दर्द हो आंखों में जलन हो शरीर पर लाल दाने दिखाई दे भूख न लगना थकान महसूस हो तो यह डेंगू के लक्षण है और अगर हमें तेज बुखार के साथ सिरदर्द,उल्टी होना शरीर सुस्त पड़ जाए पूरे शरीर मे कपकपी हो तो ये मलेरिया के लक्षण है। आम तौर पर दोनों के लक्षण एक जैसे होते है। डेंगू एडिस मच्छर के व मलेरिया मादा एनाफिलीज के काटने से होता है।डेंगू मलेरिया होने पर इबुप्रोफेन या एस्प्रिन नामक दवाई कभी न दे इसके लेने से रक्त स्त्राव हो सकता है। डेंगू मलेरिया के लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह से खून जांच करवा कर उपचार करे। उसके अलावा इससे बचने के लिए आसपास सफाई रखे गड्ढो में पानी जमने न दे छत पर बाल्टी ड्रम आदि को खुले न छोड़े रात को सोते समय मच्छर दानी का उपयोग करे। आज के इस कार्यक्रम में संस्था प्रभारी श्रीमती चंद्रमणी रंगारी,संजीव शर्मा संकुल समन्वयक,उमाशंकर साहू, गीता गुणा,दानेश्वर यादव,एसएमसी सदस्य व पालक गण-गीता ठाकुर,रमशीला दीवान,संपति, प्रफुल्ल देवांगन,देवकी बघेल, मदन बघेल व अन्य लोग उपस्थित रहे।

कारगिल युद्ध की 25वीं वर्षगांठ पर जैन भवन चौक दल्ली राजहरा में कार्यक्रम

श्रमबिन्दु / दल्लीराजहरा

कारगिल युद्ध की 25वीं वर्षगांठ पर मंडल भाजपा अध्यक्ष राकेश द्विवेदी के नेतृत्व में नगर के जैन भवन चौक पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश द्विवेदी एवं भाजपा सदस्यों और पूर्व सैनिक संघ के जिला अध्यक्ष राजकुमार साहू और रिटायर्ड फौजियों द्वारा कारगिल युद्ध में अपनी जान न्योछावर करने वाले शहीदों को नमन किया गया। मंडल अध्यक्ष राकेश द्विवेदी ने कहा कि कारगिल में हमारे जवानों द्वारा पाकिस्तान से 84 दिनों तक युद्ध लड़कर फिर भारतीय चौकियों और चोटियों पर कब्जा जमाया।पाकिस्तान एक तरफ भारत के साथ शांति वार्ता की अपील करता है विश्व में दिखाना चाहता है कि वह शांति का समर्थक है और दूसरी ओर आतंकवादियों के साथ मिलकर हमेशा पीठ में खंजर घोंपने का काम करता रहा है। पाकिस्तान कारगिल के ऊंची चोटी पर अपने सैनिकों को घुसपैठियों एवं आतंकवादियों के रूप में भेजकर भारतीय सीमाओं पर घुसपैठ कर दोहरा घात कर रहा था द्य इसका भारतीय सैनिकों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। पूर्व सैनिक संघ के जिला अध्यक्ष राजकुमार साहू ने बताया कारगिल युद्ध कि शुरुआत 3 मई 1999 को हुई थी। पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठियों एवं आतंकवादियों के साथ मिलकर भारतीय क्षेत्र की कई रणनीतिक पहाड़ियों पर कब्जा जमा लिया था। इन चौकियों को मुक्त कराने के लिए भारत की ओर से ऑपरेशन विजय की शुरुआत की गई थी। 3 महीने चले युद्ध के बाद 26 जुलाई को भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान द्वारा कब्जाई गई चौकी पर फिर से कब्जा जमाया और वहां तिरंगा फहराया था। इस युद्ध में 527 भारतीय सपूतों ने भारत मां की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुतियां दी थी। वही पाकिस्तान के हज़ारों सैनिक और अनगिनत आतंकवादी मारे गए थे। भारत कभी किसी देश पर जबरदस्ती हमला नहीं करता। भारत हमेशा शांतिप्रिय देश रहा है और रहेगा। लेकिन हमारे देश को बुरी नजर से देखने वालों को हम नहीं छोड़ेंगे। इस अवसर पर दल्लीराजहरा भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश द्विवेदी, महामंत्री महेंद्र सिंह, सुरेश जायसवाल, भूपेंद्र श्रीवास, राजेश कांबले, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पुरोबी वर्मा, रमेश गुज्जर, शंकर साहू, गिरधर सिन्हा, सुमीत जैन, हरीश बाघ, सागर गनीर, मो इमरान, रमेश जैन, मनन गुप्ता, प्रमोद कुमार, अशोक सिन्हा, सिद्धार्थ सिंह आदि उपस्थित थे।

आदिवासियों की विरासत को सहेजने में धावड़े के योगदान को सदैव याद रखेगा आदिवासी समाज

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

बस्तर संभाग आयुक्त तिरुमाल श्यामलाल धावड़े के स्थानांतरण पर सर्व आदिवासी समाज बस्तर संभाग के बस्तर, कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर जिलों के सभी समाज प्रमुखों, अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में जगदलपुर मुरिया सदन धरमपुरा में विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। श्री धावड़े को समारोह में आदिवासी समाज का सबसे बड़े प्रतीक चिन्ह गौर मुकुट, बस्तर आर्ट व पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया गया। उन्हें नया दायित्व मिलने पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई और उनके कार्यकाल में किए गए कार्यों की सहराना करते हुए बस्तर समाज के लिए किए गए कार्यों के लिए बधाई दी गई।

समाज के बस्तर संभाग अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर ने श्री धावड़े द्वारा अपने सफल कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों की सराहना की। प्रकाश ठाकुर ने कहा कि बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के बाद श्री धावड़े ने आदिवासीयों की विरासत एवं संस्कृति के संरक्षण संवर्धन तथा विकास मूलक कार्यो के साथ आदिवासियों के हित में महत्वपूर्ण कार्य किए। वन अधिकार पत्रक भुइयां के माध्यम से शत प्रतिशत राजस्व अभिलेखों में दर्ज करवाया, सामुदायिक वन अधिकार एवं सामुदायिक वन संसाधन अधिकार को संरक्षित करवाया देवगुड़ी मातागुड़ी घोटुल और सेवा अर्जी स्थलों, प्राचीन स्थलों की भूमि को संरक्षित कर राजस्व अभिलेखों में दर्ज करवाया साथ ही देवगुड़ी मातागुड़ी, घोटुल, पेनगुड़ी, सेवा अर्जी स्थल प्राचीन स्थल, स्मारक स्थलों का जीर्णोद्धार और संरक्षित करवाया गया है। श्री धावड़े द्वारा बस्तर संभाग के अंतर्गत स्थानीय भर्ती में तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के 1751 कर्मचारियों की नियुक्ति के आदेश जारी किए गए। बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण मद से बस्तर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने के साथ ही उन्हें इंटरनेट के माध्यम से सर्व सुलभ करवाया। बस्तर संभाग के सभी जिलों के शहीदों की प्रतिमा स्थापना एवं उनके नाम पर विद्यालयों, महाविद्यालयों का नामकरण कर आदिवासीयों की आस्था विरासत के संरक्षण संवर्धन के लिए बस्तर अंचल के माहन वीर सपूतों एवं वीरांगनाओं की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए प्रतिमा की स्थापना कराई गई। श्री धावड़े के अथक प्रयास से प्राचीन बस्तर एवं आदिवासियों से संबंधित सभी प्रकार के ग्रंथ, पुस्तकालय, इतिहास, संस्कृति पर्यटन रीति रिवाज, सामाजिक तानाबाना, देवगुड़ी, मातागुड़ी घोटूल, पेन गुड़ी, सेवा अर्जी स्थलों एवं प्राचीन मृतक स्मारकों से संबंधित पुस्तिका पुरखती कागजात बस्तर के ऐतिहासिक आंदोलन से सम्बंधित पुस्तकों का संकलन कर ग्रंथलाय की स्थापना कराई। जहां विद्यार्थी शोध तथा अध्ययन कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन कर रहे तुलसी ठाकुर ने कहा कि समय बदलता गया और अब ऐसा समय आया कि सरकार को मजबूर होना पड़ा। 2006 में भारत की संसद में जो कानून लाया गया, वह आदिवासियों एवं अन्य परम्परागत लोगों के लिए जंगलों में प्रबंधन एवं संरक्षण, उनके संवर्धन कार्य योजनाएं तैयार करने के लिए गांव के पारंपरिक सीएफआर सीमाओं के अंदर आने वाली जंगल भूमि के संरक्षण और सीएफआर वन प्रबंधन के दस्तावेज तैयार करने में सफल प्रयास हुआ। यह बस्तर संभाग आयुक्त के मार्गदर्शन में ही संभव हुआ।

प्रखर वक्ता अश्विनी कांगे ने कहा कि संवैधानिक रूप से बस्तर संभाग 5वीं अनुसूची क्षेत्र में आता है। भारत का संविधान अधिकार देता है कि यह 5वीं अनुसूची क्षेत्र है, लेकिन प्रशासनिक तौर पर इसे सामान्य क्षेत्र के नजरिए से चलाया जाता था। संविधान में इसकी अलग व्याख्या और व्यवस्था दी गई है। संभाग आयुक्त श्यामलाल धावड़े ने सेवा जोहार, जय सेवा, जय बूढ़ादेव से संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि उन्हें लगभग ढाई साल से बस्तर में कार्य करने का अवसर मिला।

यहां का समाज जागरूक है। उन्होंने गर्व करते हुए कहा कि हमारा समाज जितना सशक्त, मजबूत, जागरूक और पढ़ा-लिखा होगा, उतना ही विकास करेगा। आदिवासी समाज की अलग पहचान, सभ्यता, रीति-रिवाज है। जल, जंगल, जमीन के लिए संघर्ष महत्वपूर्ण है। बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के माध्यम से हमने एक छोटा सा प्रयास किया। हमारे बैगा, गुनिया, सिरहा, मांझी, चालकी, पेरमा, पुजारी, पटेल की परंपराओं का एक लिपिबद्ध दस्तावेज तैयार किया और एक पुस्तक तैयार की। मेरा अनुरोध है कि सभी अपने घर परिवार में इस पुस्तक को रखें ताकि बच्चों को अपनी समृद्ध विरासत की जानकारी मिल सके। पुस्तक में देवी, देवता, गांव के पारंपरिक देवी देवता, बस्तर संभाग के सातों जिलों में आयोजित होने वाले मड़ई, मेला, जातरा आदि का वर्णन है। क्रांतिकारी योद्धाओं का भी उल्लेख है। मुझे गर्व है कि हमने यह इतिहास दर्ज किया।

मुरिया समाज के संभागीय अध्यक्ष जगदीश मौर्य ने समापन करते हुए कहा कि हम आदिवासी पिछड़े हैं और प्रशासन के साथ मिलकर आगे बढ़ने के लिए तत्पर हैं। बस्तर संभाग को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करने पर उन्होंने आभार व्यक्त किया। समाज के रीति-रिवाज, भाषा, बोली, खान-पान, रहन-सहन और संरक्षण के लिए तहेदिल से आभारी रहेंगे। इस दौरान प्रकाश ठाकुर, सामू मौर्य, हिड़मो मंडावी, गोपाल भारद्वाज, अश्विनी कांगे, बलदेव मौर्य, गांग नाग, पप्पू नाग, शारदा कश्यप, तुलसी ठाकुर, संतू मौर्य, संतोष उसेंडी, धीरज राणा, एमके राणा, नीरज कुंजाम, महेंद्र उसेंडी, नरेश मरकाम, हिड़मो वट्टी, पांडू वट्टी, लक्ष्मीनाथ कश्यप, रूपचंद नाग, लखेश्वर कश्यप, बंसी मौर्य, सुखदेव बघेल, फूलसिंग नाग, सोमारु बघेल, अभय कच्छ, कमल नाग, कमलेश कश्यप, सुमीत पोयाम, पूरन सिंह कश्यप, हरीश मुचाकी, बसंत कश्यप, संदीप सलाम, जग्गू तेलामी, लच्छू नाग, साधु मंडावी, सीताराम मांझी, लंबूधर बघेल, पदम कश्यप, अमीर कश्यप, महादेव, शोभा, प्रकाश आजाद, बामदेव भारती एवं बस्तर संभाग के समाज प्रमुख, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

पंचायत चुनाव की तैयारियों में अभी से जुट जाएं भाजपा कार्यकर्ता: दिनेश कश्यप

श्रमबिन्दु / बकावंड

भाजपा बकावंड मंडल कार्यकारिणी समिति की बैठक सदभावना भवन में हुई। बैठक में पूर्व बस्तर सांसद व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश कश्यप विशेष रूप से उपस्थित थे।

पूर्व सांसद दिनेश कश्यप ने पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विस्तार से ध्यानाकर्षण कराया। उन्होंने आने वाले पंचायत चुनाव की तैयारियां अभी से शुरू करने को कहा। श्री कश्यप ने कहा कि विधानसभा व लोकसभा चुनाव में ज्येष्ठ श्रेष्ठ देवतुल्य कार्यकर्ताओं की महेनत से भाजपा को जीत हासिल हुई है। तीसरी बार प्रधानमंत्री के रुप में नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में भाजपा सरकार है। आगामी पंचायत चुनाव में भी जीत हासिल करनी है, जिसके लिए अभी से रणनीति बनाकर पदाधिकारी व कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्रों में सजगता से कार्य करें।

इस अवसर पर उपस्थित पूर्व विधायक डॉ. सुभाउ कश्यप ने कहा कि भाजपा की ताकत कार्यकर्ता ही हैं। केंद्र व राज्य की भाजपा सरकारों ने जो योजनाएं शुरू की हैं उन्हें हम सब मिलकर अंतिम से अंतिम व्यक्ति तक पंहुचाएं। यह हमारी पहली प्रथमिकता होनी चाहिए। भाजपा ने पूरे प्रदेश में पानी, बिजली, सड़क, पुल पुलिया का जाल बिछाया है व तेजी से कार्य कर रही है। वहीं स्थानीय कांग्रेस विधायक लखेश्वर बघेल पर सीधा तंज कसते और निशाना साधते हुए डॉ. सुभाऊ कश्यप ने कहा कि विधायक श्री बघेल ने एक कार्य किया है तो अपने विधानसभा क्षेत्र में गांव गांव जाकर पैर धुलवाने का ही कार्य किया है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनीराम कश्यप, जिला महामंत्री वेदप्रकाश पांडे व जिला अध्यक्ष रूपसिंह मंडावी आदि भाजपा नेताओं ने भी सभा को संबोधित किया।

इस अवसर पर मंडल प्रभारी श्रीधर ओझा, बकावंड मंडल अध्यक्ष धनुर्जय कश्यप, करपावंड मंड़ल अध्यक्ष परीश बेसरा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनवासी मौर्य, पूर्व मंडल अध्यक्ष रोहित त्रिवेदी, पूर्व प्रदेश किसान मोर्चा सदस्य जोगेंद्र चंद्राकर, महामंत्री दामोदर बघेल, महामंत्री पुरषोत्तम जोशी, ललिता बघेल, गजानंद दास मानिकपुरी, सत्यप्रकाश गुप्ता, बंशीधर कश्यप, नीलकुमार बघेल, गणेश परगनिहा बबलू, हेमकांत सिंह ठाकुर एवं समस्त मोर्चा के पदाधिकारी व मंडल पदाधिकारी आदि भाजपा कार्यकर्ताएं बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

दलपत सागर आउटलेट के आगे बनेगा 500 मीटर पक्का नाला

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

लगातार हो रही बारिश से शहर में जलभराव की स्थिति से निपटने और सफाई व्यवस्था को चाक चौबंद बनाए रखने में नगर निगम जुटा हुआ है।

शनिवार को महापौर, एमआईसी सदस्यों की टीम और निगम आयुक्त ने धरमपुरा क्षेत्र के दलपत सागर आउटलेट का निरीक्षण किया और जल निकासी के लिये आगे बने लगभग 500 मीटर लंबे कच्चे नाले का मुआयना किया। बरसात में जलभराव की स्थिति में तेजी से जल निकासी के लिए कच्चे नाले का पक्का निर्माण करने कहा गया है। महापौर सफीरा साहू व एमआईसी सदस्यों का दल निगम अमले के साथ प्रतिदिन सुबह शहर के वार्डों का नियमित दौरा कर रहा है और समस्याओं से रूबरू होकर अविलंब निदान के उपाय करने सार्थक पहल की जा रही है। दलपत सागर के धरमपुरा क्षेत्र में बने आउटलेट के समीप घनी झाडियों को मशीनों की मदद से हटाने का काम शुरू हुआ है। निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने बताया कि आउटलेट के आगे लंबे कच्चे नाले का पक्का निर्माण करने योजना बन रही है। जिससे पानी का निकास तीव्र गति से होगा। महापौर सफीरा साहू ने कहा कि शहर की जनता से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ हों, इस लक्ष्य को लेकर समवेत रुप से नगर निगम द्वारा कार्य किया जा रहा है। रोज़ाना शहर भ्रमण कर जनता के बीच पहुंचकर समस्याओं का निदान इसी का एक हिस्सा है। महापौर व एमआईसी सदस्यों ने संजय मार्केट का पैदल दौरा करते हुए साफ सफाई व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया व्यापारियों से भी चर्चा की। बाज़ार की व्यवस्था को सुदृढ़ रखने अधिकारियों को निर्देश दिए गए। प्रवीर वार्ड व अटल बिहारी वार्ड का भी निरीक्षण किया गया। इस मौके पर एमआईसी सदस्य योगेंद्र पाण्डेय, यशवर्धन राव, नरसिंह राव, आलोक अवस्थी, निगम ईई अजीत कुमार तिग्गा सहित उप अभियंता, स्वच्छता विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर एफ-188 बटालियन पुसपाल घाट ने किया वृक्षारोपण

श्रमबिन्दु / जगदलपुर

सीआरपीएफ के स्थापना दिवस पर एफ 188 वी वाहिनी पुसपाल घाट बस्तर में कमांडेंट भवेश चौधरी के निर्देशन में बस्तर के सुदूरवर्ती नक्सलग्रस्त क्षेत्र में पौधारोपण अभियान चलाया गया। फलदार व छायादार पेड़ों के पौधे रोपे गए। इस अवसर पर कंपनी कमांडर बन्नाराम एवं बटालियन के अधीनस्थ अधिकारियों व जवानों द्वारा कैम्प परिसर के चारों तरफ वृक्षारोपण किया गया। जिसमें विभिन्न प्रजातियों के लगभग 300 पौधे लगाए गए। एफ 188 वी वाहिनी अपने कार्य क्षेत्र में परिचालनिक कर्तव्यों का निर्वहन करने के साथ-साथ स्थानीय लोगो को जागरूक करने, युवाओ को प्रोत्साहित करने के लिए समय-समय पर भिन्न-भिन्न कार्यक्रमो का आयोजन करती रही है। इस अवसर पर कम्पनी कमान्डर बन्नाराम ने पौधारोपण का महत्व समझाया, ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर प्रकृति का संरक्षण करने की शपथ दिलाई तथा वृक्ष ही जीवन का नारा दिया और बताया पेड़ प्रकृति की अनुपम देन है, इनकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। सीआरपीएफके इस कार्य की ग्रामीणो ने प्रशंसा की है।

मरेटा पंचायत में नौनिहालों की जान से खिलवाड़

आंगनबाड़ी केंद्र के सामने खुली पड़ी है गहरी नाली, जानलेवा खुला सेप्टिक टैंक भी ढा सकता है कहर

श्रमबिन्दु / अर्जुन झा

बकावंड। विकासखंड बकावंड की ग्राम पंचायत मरेटा के नदी पारा के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 3 के सामने तीन और कुंए जैसा सेप्टिक टैंक खुली हालत में हैं और हादसे को दावत दे रहे हैं। आंगनबाड़ी के बच्चों पर हमेशा खतरा मंडराता रहता है। इन्हें ढंकने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

नाली का निर्माण 10 वर्ष पहले करवाया गया है। दरअसल यह एक छोटा नाला ही है, जिसे पुलिया बनाकर आंगनबाड़ी केंद्र के सामने से पक्की केनाल बनाकर आगे निकाला गया है। इसी तरह आंगनबाड़ी के सामने शौचालय का सेप्टिक टैंक भी 10 वर्ष से खुला पड़ा है। यह सेप्टिक टैंक काफी गहरा है। उसमें ढक्कन लगाने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्राम पंचायत सचिव और सरपंच की लापरवाही के कारण नन्हे मुन्ने बच्चों के सिर पर खतरा मंडरा रहा है। नाली और सेप्टिक टैंक की वजह से कभी भी दुर्घटना हो सकती है। सरपंच सचिव आंखों में पट्टी बांधे हुए हैं। आंगनबाड़ी केंद्र में अभी 16 बच्चे पहुंच रहे हैं, जो अक्सर नाली, सेप्टिक टैंक और पुलिया के नीचे झांकते नजर आ जाते हैं। अगर इस दौरान असावधानी के चलते कोई बच्चा वहां गिर गया, तो बड़ी अनहोनी हो जाएगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इंदिरा बघेल और सहयिका शांति बघेल ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर भी इन खतरों से अवगत हो चुकी हैं। सरपंच सचिव को भी कई बार अवगत कराया जा चुका है। लेकिन आज तक कोई पहल नहीं हुई है।

जल्द होगा समाधान

ग्रामसभा में चर्चा हो चुकी है। दो-चार दिन में आंगनबाड़ी केंद्र के सेप्टिक टैंक और नाली का काम पूरा करा दिया जाएगा।

उद्धव राम कश्यप,
सरपंच, ग्राम पंचायत मरेटा

खास खबर

नवविवाहितों को भी महतारी योजना से लाभान्वित करें भाजपा सरकार : नागेंद्र गुप्ता

श्रमबिन्दु / जांजगीर चांपा

प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के नाम पर प्रारंभ की गई महतारी वंदन योजना में विवाह करने वाले युवतियों से आवेदन फार्म स्वीकार किए जाने का समर्थन करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पार्षद नागेंद्र गुप्ता ने मुख्यमंत्री से मांग की है की वर्तमान वर्ष के दौरान विवाह करने वाली युवतियां योजना के लिए पात्र हो गई है महतारी वंदन योजना के लिए बनाई गई नियम के अनुसार महिला के लिए विवाहित होना अनिवार्य है जिनका पिछले चार पांच माह में विवाह हुआ है अब वे इस योजना के पात्र हो गए हैं और साथ ही जो महिलाएं फॉर्म भरने में चूक गई थीं उनके लिए भी फिर से आवेदन फॉर्म रक्षाबंधन पर्व के पूर्व भराया जाए जिससे वे भी योजना से लाभान्वित हो सके लेकिन अभी तक साय सरकार द्वारा कोई घोषणा नहीं की गई है उन्होंने आरोप लगाया कि मात्र लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए छत्तीसगढ़ की महिलाओं को लुभाने भाजपा द्वारा योजना का ढिंढोरा पीटा जा रहा था लेकिन अब पात्रता की आड़ में महिलाओं के नाम काटे जा रहे हैं जो महिलाओं के साथ अन्याय हैं।

प्रयास आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

श्रमबिन्दु / पखांजूर

वर्ष 2024-25 में प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए शिक्षा विभाग द्वारा परीक्षा आयोजित की गई थी जिसमे कांकेर जिले के ब्लॉक पखांजूर के विवेकानंद विधापीठ कापसी के अध्ययनरत छात्र ईशान दास ने कक्षा 9 वी प्रवेश परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करने में सफलता पाई है । ईशान ने कांकेर जिले में 66 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है वही प्रदेश में टॉप टेन की अंक तालिका में सातवा स्थान भी प्राप्त किया है। ज्ञात हो की विवेकानंद विद्यापीठ स्कूल प्रबंधन ने ईशान की इस सफलता पर उसे शुभकामनाएं दी है । विवेकानंद विद्यापीठ कापसी में बच्चो में स्किल डेवलापमेंट के दिशा में जैसे नैतिक ,बौद्धिक एवं शारीरिक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाता है। विवेकानंद विद्यापीठ के वरिष्ठ शिक्षक आलोक बिस्वास जी ने बतलाया की वर्ष 2022 में भी प्रयास आवासीय विद्यालय में हमारे संस्था से कुमारी संजना मिस्त्री और कुमारी अनामिका भट्टाचार्य का 11 वी कक्षा के लिए चयनित हुई थी और वर्ष 2023 में भी कुमारी खुशी मल्लिक भी प्रयास आवासीय विद्यालय की कक्षा 11 वी के लिए चयनित हो चुकी है । इस बार भी वर्ष 2024 में हमारी संस्था से कक्षा 9 वी के लिए अकेला ईशान दास ने परीक्षा दिलाई थी और उसका चयन प्रयास आवासीय विद्यालय कक्षा 9वीं (सत्र 2024-25) के लिए हुआ है । वही जिले में प्रथम स्थान और राज्य में सातवा स्थान प्राप्त कर हमारे विवेकानंद विद्यापीठ कापसी संस्था का नाम गौरांवित किया है । ईशान के पिता संजीव दास ग्राम पीवी 6 का कहना है की उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है । ईशान को बचपन से पढ़ने लिखने का शौक है । बड़ा होकर ईशान कलेक्टर बनना चाहता है । ईशान के बेहतर उज्वल भविष्य के लिए प्रयास आवासीय विद्यालय में चयन होना मेरे परिवार के लिए सौभाग्य की बात है ।

जिलाभर में 10 प्रतिशत किसानों के फसल का बीमा नही

मुसलाधार बारिश के बीच कृषि अधिकारी शिविर लगाने को मजबूर

श्रमबिन्दु / गरियाबंद

मौसम के साथ से निश्चित किसानो ने इस बार फ़सल बीमा से लगभग दूरी बना लिया है तभी बीते शुक्रवार के रिपोर्ट अनुसार देवभोग में 6 तो फिंगेश्वर 10 के साथ मैनपुर ब्लॉक 6 गरियाबंद 28 और छुरा 51 के साथ राजिम के 1 किसान का ही फ़सल बीमा हो पाया है जिसे देख अधिकारियो की हालत भी पतली दिखाई पड़ रही हैं क्योंकि पिछले वर्ष की तुलना इस बार 10 प्रतिशत भी फसल बीमा नही हो पाया है जिसके मद्देनजर अब विभागीय अधिकारियों द्वारा गांव गांव में जागरूकता शिविर लगाकर किसानो को फसल बीमा कराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

उल्लेखनीय हो की पहले फसल बीमा करवाना कंपलसरी रहा जिसे इस बार बदलकर ऑफ टाउन का सुविधा कर दिया मतलब किसान चाहे तो बीमा कराए चाहे तो ना कराए ऐसे में कुछ किसानो से पूछ पूछ कर सहकारी बैंक समितियों ने भी ऑफटाउन करवा दिया ज्यादातर फिंगेश्वर में देखने को मिला है जबकि प्रति सिंचित हेक्टियर 1200 और असिंचित हेक्टीयर 900 रुपए का बीमा किया जाता है जिसका लाभ भी किसानो बीमा के तुलना काफ़ी होने की बात कही जाती हैं बाबजूद इसके किसानो ने फसल बीमा से दूरी बना लिया है हालांकि इसका कारण विभाग द्वारा शुरुवाती दौर में रूचि नहीं देने को भी माना जाता है तभी निर्धारित समय बीतने को है और 30त्न किसानो का फसल बीमा नही हो पाया है इसके अलावा वर्तमान में फसल बीमा कछुए की चाल पर चल रहा है और निर्धारित तिथि बीतने मे कोई ज्यादा दिन भी नही बचा ऐसे विभागीय अधिकारियों के हाथ पांव भी फुले हुए है तभी गांव गांव में शिविर आयोजित कर किसानो से फसल बीमा करवाने के लिए खुसामत करनी पड़ रही है ।

अधिकतर मोड़ पर फ़सल को खतरा की संभावना

अधिकारियों की माने तो किसानो के फसल पर अधिकतर खतरा की संभावना होती हैं फिलहाल तो ठीक ठाक बारिश हो रही लेकिन अगर आने वाले दिनों में अधिक बारिश होने या फिर बिल्कुल नही साथ कीड़ा सहित अन्य कारणों से फसल को अधिकतर मोड़ पर खतरा होता है और ऐसा पहले भी देखा गया है बकायादा किसान इससे वाकिफ है मगर अफसोस की बात है की फसल बीमा को लेकर कोताई बरत रहे हैं जबकि बीते 8 तारीख से फसल बीमा काम चालू है मगर अभी भी फसल बीमा को लेकर किसान गंभीर नही हुए हैं शायद यही वजह है कि जिला के किसी भी ब्लॉक ने 100 आंकड़ा भी पार नही किया है जिसे देख सभी सख्ते में है की ऐका एक किसानो ने फसल बीमा से किस तरह दूरी बना लिया है हालांकि इसका प्रमुख कारण खेती किसानी के अनुरूप बरसात होने को भी माना जाता है तभी ज्यादातर किसान निश्चित होकर बैठे हैं

उपसंचालक ने संभाली है कमान

किसानो के फसल बीमा के आंकड़े से ब्लॉक एवम् जिला के अधिकारी भी परेशान होकर गांव गांव में शिविर आयोजित कर रहे है जिसकी कमान जिले के विभागीय मुखिया उपसंचालक चंदन रॉय ने संभाला रॉय अपने स्टाफ के साथ ब्लॉक ब्लॉक में किसानो से मुलाकात कर फसल बीमा करवाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं इसी तर्ज़ पर शनिवार देवभोग के रोहनागुड़ा एवम् झाखरपारा में आयोजित शिविर में शामिल होकर किसानो को अपने फसल का बीमा करवाने के लिए प्रेरित किया हालांकि खेती किसानी का समय होने के चलते अधिकांश किसान आयोजित शिविर में शामिल नही हो पा रहें हैं।

पंडरिया पुलिस की कार्यवाही

नाबालिग लडकी को बहला फुसलाकर ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

श्रमबिन्दु / कवर्धा

विवरण- पुलिस अधीक्षक महोदय कबीरधाम डां. अभिषेक पल्लव (भापुसे) के द्वारा समस्त थाना/चौकी प्रभारियो को गुम इंसान की पतासाजी एवम महिलाओं/बच्चो पर होने वाले अपराधो पर अंकुश लगाने हेतु निर्देश दिया गया है। जिसके परिपालन में अति.पुलिस अधीक्षक श्री विकास कुमार (भापुसे), अति.पुलिस अधी. श्री पुष्पेन्द्र सिंह बघेल (रापुसे) एंव पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पण्डरिया श्री पंकज कुमार पटेल (रापुसे) के मार्गदर्शन में थाना पंडरिया द्वारा क्षेत्र में गुम इंसानो की लगातार पता तलाश की जा रही थी । इसी क्रम में दिनांक 26.07.24 को मुखबिर की सूचना पर थाना पंडरिया के गुम इंसान क्रमांक 43/23 अपराध क्रमांक 338/23 धारा 363 भादवि के संदेही रवि टोंड पिता उमेंद टोंड उम्र 22 साल निवासी पंडरिया थाना पंडरिया जिला कबीरधाम के कब्जे से नाबालिग पीड़िता को बरामद कर आरोपी रवि टोंडे को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर नाबालिग पीड़िता को शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाना स्वीकार करने पर प्रकरण में धारा 366,376(2)ड्ड भादवि, 6 पाक्सो एक्ट कायम कर आरोपी रवि टोंडे को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष मिश्रा,सहायक उप निरीक्षक पंचराम वर्मा,प्रधान आरक्षक राजेश्वर कोसरिया, आरक्षक-सुनील घृतलहरे, म.आर. संगीता चंद्रवंशी एवं साईबर टीम का विशेष योगदान रहा।

चांपा नगर पालिका परिषद में वार्ड नंबर 1,2, में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शुरू हुआ

श्रमबिन्दु / जांजगीर चांपा

चांपा नगर पालिका में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर में कुल आवेदन 78 प्राप्त हुआ जिसमें शिकायतों का त्वरित निदान 65 किया गया और निराकरण शेष 13 है इस शिविर में आधार कार्ड, राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञप्तियां जारी करने जैसी सुविधाएं भी मुहैया कराया जायेगा जिला जांजगीर चांपा चांपा नगर पालिका में 27 जुलाई 2024. में वार्ड नंबर 1,2, में बुद्धेश्वर शरण सिंह भवन में आज से जनसमस्या निवारण पखवाड़ा प्रारंभ हो गया है। जिसमें वार्ड नं 1,2, वार्ड वासियों से शिकायत एवं राशन कार्ड जमीन की पट्टा की की आवेदन जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर में कुल आवेदन 78 प्राप्त हुआ जिसमें शिकायतों का त्वरित निदान 65 निराकृत किया गया और निराकरण शेष जो 13 आवेदन प्राप्त हुए जो राजस्व विभाग तहसील स्थांतरण किया गया और जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के दौरान वार्डवार आयोजित शिविरों में आधार कार्ड, राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञप्तियां, नल कलेक्शन, राष्ट्रीय परिवार सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने तथा नामांतरण व स्वरोजगार के प्रकरणों त्वरित निदान किया जायेगा । चांपा नगर पालिका वार्ड नं 1से 27 तक यह जनसमस्या निवारण पखवाड़ा 10 अगस्त तक चलेगा जिला जांजगीर चांपा चांपा नगर पालिका। वार्ड नंबर 1,2, में 27जुलाई 2024 में आज से शुरू जनसमस्या निवारण पखवाड़ा 10 अगस्त तक चलेगा।वार्डवार आयोजित शिविरों में आधार कार्ड, राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञप्तियां, नल कलेक्शन, राष्ट्रीय परिवार सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने तथा नामांतरण व स्वरोजगार के प्रकरणों का निपटारा वार्डवार शिविरों का आयोजन कर लोगों की समस्याओं का निदान किया जाएगा। शिविरों में चांपा नगर पालिका अधिकारी सहायक कलेक्टर दुर्गा प्रसाद आईएएस अधिकारी एवं सीएमओ भोलेशंकर सिंह ठाकुर, नगर पालिका अध्यक्ष जय थवाईत चांपा नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष , राजेश अग्रवाल पार्षद श्रीमती अंजली देवांगन , नगर पालिका कब समस्त अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थित में बुद्धेश्वर शरण सिंह सामुदायिक भवन वार्ड में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा जिसमें आम जनता की जनसमस्या निवारण किया गया।

अमरकंटक से जल लेकर आ रहे कावड़ पद यात्रियों का रास्ते के गांवों में किया जा रहा है स्वागत

श्रमबिन्दु / कवर्धा

अमरकंटक से जलेश्वर बाबा डोंगरिया, बाबा भोरमदेव और पंचमुखी बूढ़ा महादेव के लिए जल लेकर आ रहे कावड़ पद यात्रियों का रास्ते के गांवों श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के आह्वान पर जनप्रतिनिधि, ज़िले के अधिकारी-कर्मचारी, गांवो में ग्रामीणजन स्टाल लगा कर कावड़ पद यात्रियों का सम्मान और स्वागत कर स्वल्पाहार भी करा रहे हैं।

आज भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना के सामने मुख्य मार्ग पर काँवरियों का पूजा अर्चना, पुष्प वर्षा के साथ अभूतपूर्व स्वागत किया गया। प्रबंध संचालक गौरीशरण शर्मा ने माँ नर्मदा की अर्चना की। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश एवं निगरानी में गठित जिला बोल बंम समन्वय समिति के सदस्य सुधीर केशरवानी, दौवा गुप्ता, निशांत झा ने बताया कि कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के लिए अमरकंटक से लेकर रास्ते में पड़ने वाले सभी पंचायतों में निःशुल्क ठहरने और गर्म पानी, चाय और बिस्किट की समुचित व्यवस्था की जा रही है। आज बोल बम समिति ग्राम मानिकपुर के 70 कांवड़ियों को ग्राम राजानवागाँव के सामुदायिक भवन में निःशुल्क ठहरने और गर्म पानी, चाय और बिस्किट का व्यवस्था किया गया। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा के निगरानी में अमरकंटक से वनग्राम होते हुए आने वाले कांवड़ियों के लिए आवश्यक व्यवस्था एवं सहयोग के लिए दल का गठन भी किया गया है। अमरकंटक से लेकर कवर्धा तक लगभग 150 किलोमीटर की इस यात्रा के बीच लगभग 20 से अधिक अलग-अलग स्थानों में कावड़ियों के लिए विश्राम करने के लिए इंतजाम किया गया है। इन स्थानों में कांवड़ियों के लिए निःशुल्क ठहरने और गर्म पानी, चाय और बिस्किट और स्वास्थ सुविधा मुहैया की व्यवस्था किया जा रहा हैं।

कलेक्टर ने नगर पालिका परिषद अकलतरा एवं चांपा में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर का किया निरीक्षण

श्रमबिन्दु / जांजगीर चांपा

कलेक्टर आकाश छिकारा ने आज नगर पालिका परिषद अकलतरा एवं नगर पालिका परिषद चांपा में आयोजित जन समस्या निवारण पखवाड़ा का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री छिकारा ने शिविर में पहुंचकर वहां उपस्थित आमजनों से उनकी समस्या के बारे में जानकारी ली तथा मौके पर ही सम्बन्धित अधिकारियों को उसके निराकरण हेतु निर्देश दिए। उन्होंने चांपा में लगाए गए जन समस्या निवारण पखवाड़ा में शामिल होकर शिविर में आवेदन लेकर आये आम नागरिकों से उनकी मांगों एवं समस्याओं को जाना और अधिकारियों को निराकरण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने शिविर में प्राप्त आवेदनों का

शीघ्रता से निवारण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्री जय थवाईत, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल, सहायक कलेक्टर श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी, सीएमओ श्री भोला सिंह, तहसीलदार श्री पुलकित साहू एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री छिकारा ने ग्राम पंचायत नरियरा के पटवारी कार्यालय का निरीक्षण करते हुए नामांतरण, सीमांकन एवं नामांतरण के लंबित प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत शत प्रतिशत ई-केवायसी करने और आवेदन लेकर खातेदारों के नाम समय सीमा में जोड़ने कहा अन्यथा सख्त कार्रवाई करने कहा एवं संबंधित तहसीलदार को सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बैठक लेकर अधिकारी कर्मचारियों को जारी किया दिशा निर्देश

श्रमबिन्दु / गरियाबंद

कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की 42वीं बैठक संपन्न हुई बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले में बैंकिंग गतिविधियों से संबंधित योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को हितग्राहीमूलक बैंकिंग ऋण सुविधाओं से लाभान्वित करने के निर्देश सभी बैंकिंग अधिकारियों को दिये।

कलेक्टर ने बैठक में जिले के सभी शाखा प्रबंधकों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासकीय विभागों द्वारा प्रकरण प्रेषित किए जाते हैं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पहले स्वीकृत करें। कलेक्टर ने हितग्राहीमूलक आवेदनों को शाखा लेवल में लंबित नहीं रखने के निर्देश दिये। कलेक्टर द्वारा जिन बैंक शाखा का ऋण अनुपात कम है उन्हें ऋण अनुपात निर्धारित समय सीमा में पूरा करने को कहा गया। साथ ही प्राथमिकता क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, एमएसएमई ऋण वार्षिक लक्ष्य पूरा करने को कहा गया। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जनकल्याणकारी योजनाओं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने बैंक शाखा स्तर ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक पंजीयन करने के निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव, एलडीओ रायपुर श्री पी. गोपीनाथ, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड श्री पंकज सोनटके, अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री मोहम्मद मोफिज, महाप्रबंधक जिला व्यापार उद्योग श्री डीबी ध्रुव, उपसंचालक कृषि श्री चंदन राय, सहायक संचालक श्री ए.के वशिष्ट, डीपीएम एनआरएलएम, प्रतिनिधि राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, खादी ग्रामोद्योग, आदिवासी स्वरोजगार एवं अंत्योदय स्वरोजगार विभाग के अधिकारी एवं विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बैठक में प्रधानमंत्री जनधन योजना अंतर्गत खोले गये बैंक खातों में आधार सीडिंग तथा रूपे कार्ड वितरण के प्रगति की समीक्षा की। साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की प्रगति, अंत्यावसायी स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, पीएम स्वनिधि योजना की जिले में प्रगति की समीक्षा कर हितग्राहियों को लाभान्वित करने के आवश्यक निर्देश दिये।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कवर्धा, जिला-कबीरधाम

ईश्तहार

अ/2, वर्ष 2023-24
ई कोर्ट नम्बर
क्रमांक /2629/अ.वि.द./प्रवा - 2/2024
कवर्धा, दिनांक 25/07/2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं ग्रामवासीगण जोराताल को सूचित किया जाता है, कि अमरीश पूरी गोस्वामी पित्ता कलेश पूरी गोस्वामी निवारा का पता अंधियारखोर तहसील - पंडरिया जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ ने अपने निजी स्वामित्व की ग्राम जोराताल प040नं0-10, रा.नि.म. नेवारी, तहसील कवर्धा स्थित भूमि खसरा नम्बर 61/53 रकबा 0.020 हेक्टेयर भूमि को - आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है।

उक्त आवेदित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने से जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई तिथि 08/08/24 को समय 05:30 बजे तक स्वतः या अपने अभिभाषक के माध्यम से कर सकते हैं। पश्चात के दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/07/24 को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी।
जारी दिनांक 25/07/24
पेशी दिनांक 08/08/24

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
कवर्धा
जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़

संपादकीय...

तर्क यह दिया जा रहा है कि सवाल कांवड़ियों की आस्था की शुचिता का है! लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि यह वार्षिक यात्रा, या देशभर में इस तरह की धार्मिक यात्राएं तो न जाने कब से चल रही हैं।

भारत की ताकत रही है धार्मिक विविधता

शेक्सपियर तो लिख गये कि क्या रखा है नाम में, पर उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में शुरू हुआ नाम का विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा। उत्तर प्रदेश की सरकार ने आदेश निकाला था कि कांवड़ियों की यात्रा के मार्ग में पड़ने वाली खाने-पीने के समान की सभी दुकानों, रेहड़ी वालों, ठेले वालों को अपनी दुकान के बाहर मालिक का, और वहां काम करने वाले सभी लोगों का, नाम लिखकर लगाना होगा, ताकि उन दुकानों आदि से सामान खरीदने वालों को यह पता रहे कि वह किस धर्म को मानने वाले से सामान खरीद रहे हैं! तर्क यह दिया जा रहा है कि सवाल कांवड़ियों की आस्था की शुचिता का है! लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि यह वार्षिक यात्रा, या देशभर में इस तरह की धार्मिक यात्राएं तो न जाने कब से चल रही हैं, आज तक तो किसी की धार्मिक आस्था को चोट नहीं पहुंची, फिर अचानक कांवड़ियों को लेकर यह विवाद क्यों?

प्रशासन की तरफ से कहा यह जा रहा है कि यह सब 18 साल पहले के एक कानून के अनुसार किया जा रहा है। तत्कालीन सरकार ने इस आशय का कानून पारित किया था, जो अब लागू किया जा रहा है, इसलिए इसे लेकर विवाद नहीं होना चाहिए। लेकिन विवाद हो रहा है, सड़क से लेकर संसद तक, और उच्चतम न्यायालय में भी विवाद की गूंज पहुंची है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश में धर्म के नाम पर विवाद नहीं छिड़े। इस संदर्भ में बहुत कुछ अप्रिय हुआ है देश में, हिंदू और मुसलमान को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं। कभी पूजा स्थल को लेकर, कभी पूजा-अर्चना की पद्धति को लेकर और कभी कथित धार्मिक पहनावे के नाम पर अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में सांप्रदायिकता की आग भड़कायी गयी है। सवाल नाम से पहचान का भी नहीं है, सवाल उस मानसिकता का है जो धर्म के नाम पर समाज को बांटने में विश्वास करती है। उस घटिया राजनीति का है जो धर्म के नाम पर वोट मांगने में किसी प्रकार की लज्जा अनुभव नहीं करती। अभी हाल में बंगाल में भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने यह घोषणा करने में तनिक हिचकिचाहट नहीं दिखाई कि हमें (अब) 'सबका साथ, सबका विकास' की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बंगाल की एक सभा में यह कहना ज़रूरी समझा कि जो हमारे साथ हैं हम उनके साथ हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट करना ज़रूरी समझा कि भाजपा को अपना अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए। यह बात दूसरी है कि इस 'गर्जना' के कुछ ही घंटे बाद उन्हें शायद भाजपा आलाकमान के आदेश पर यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि उनके कहने का गलत अर्थ लगाया गया है। था कोई ज़माना जब राजनेता अक्सर यह कहकर बच निकलते थे कि उन्हें ग़लत उद्धृत किया गया, अथवा ग़लत समझ गया, पर चौबीस घंटे समाचार चैनलों के युग में यह बहानेबाजी नहीं चल सकती। सारी दुनिया ने शुभेंदु अधिकारी के उस भाषण को सुना है। दुनिया ने तो भाजपा के एक अन्य बड़े नेता को पिछले चुनावों के समय प्रचार के दौरान यह कहते भी सुना था कि हमें अल्पसंख्यकों के वोट की आवश्यकता नहीं है। यही क्यों, स्वयं भाजपा का शीर्ष नेतृत्व यह कह चुका है कि कांग्रेस वाले देश के संसाधन मुख्यत: 'ज़्यादा बच्चे पैदा करने वालों' को देना चाहते हैं। यह सारी बातें सांप्रदायिकता की उस घटिया और खतरनाक राजनीति की ओर इशारा करती हैं जो देश के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर बनाने में लगी है। हमारा पंथ-निरपेक्ष संविधान सर्व धर्म समभाव में विश्वास करता है। हमारे संविधान निर्माताओं ने बहुत सोच-विचार कर भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने से इनकार किया था। आसेतु-हिमालय हमारा भारत सभी धर्मों को मानने वाले भारतवासियों का देश है। हमारे प्रधानमंत्री यह कहते नहीं थकते की 140 करोड़ भारतवासी उनका परिवार है। जब इस परिवार के एक हिस्से को पंक्ति से बाहर बिठाने की कोशिशें हो रही हैं तो स्वयं को परिवार का मुखिया मानने वाले व्यक्ति के लिए यह ज़रूरी हो जाता है कि वह इन विघटनकारी गतिविधियों का न केवल विरोध करे बल्कि उन्हें असफल बनाने का उदाहरण प्रस्तुत करे। दुर्भाग्य से ऐसा होता नहीं दिख रहा। प्रधानमंत्री को तब विरोध करना चाहिए था जब सबका साथ, सबका विकास के उनके नारे को नकारा गया। बंगाल के उस भाजपाई नेता के कथन पर भाजपा का कोई बड़ा नेता कुछ नहीं बोला, यह बात रेखांकित होनी चाहिए। यह भी रेखांकित होना चाहिए कि कांवड़ियों की आस्था की पवित्रता के नाम पर देश में अनावश्यक विवाद खड़ा किया जा रहा है। न्यायालय ने अपने विवेक से इस बारे में उचित निर्णय लिया। लेकिन एक निर्णय इस देश की जनता को भी लेना है— उन सारी ताकतों को असफल बनाने का निर्णय जो हमारी सामाजिक समरसता को बिगाड़ने पर तुली हैं। हमारी गंगा-जमुनी सभ्यता ने हमें एक ऐसे समाज के रूप में विकसित होने का अवसर दिया है जहां मनुष्य को उसकी धार्मिक आस्था के आधार पर चिन्हित किए जाने का कोई स्थान नहीं है। यही हमारा वह संविधान भी कहता है जिसकी शपथ हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि लेते नहीं थकते। शपथ लेना ही पर्याप्त नहीं है, शपथ के विश्वास को प्रमाणित करना भी ज़रूरी है। यह काम कथनी और करनी की एकरूपता से ही हो सकता है।

प्रभात का कभी सूर्यास्त नहीं हो सकता

लोकेन्द्र पाराशर

मनुष्य जब अस्तित्व में आता है, तो उसकी प्रारंभिक पहचान उसकी देह से होती है। सामान्य व्यक्ति इसी देह के साथ ही एक दिन समाप्त भी हो जाता है। लेकिन समाज में कुछ ऐसे लोग भी जन्म लेते हैं, जिन्हें उनकी देह से नहीं दैदीव्यता से पहचाना जाता है। ऐसे ही मनुष्य को असाधारण, विलक्षण, प्रखर, प्रतापी, विचारवान, दयावान, निर्णायक, परिश्रमी जैसे शब्दों से अलंकृत किया जाता है।

आदरणीय प्रभात झा जी के जीवन काल को हम देखें तो ध्यान में आता है कि उन्होंने सब बातों की चिंता करते हुए यदि किसी एक चीज की चिंता नहीं की तो, वह उनकी देह ही थी। देह से पूर्णतः विरक्त रहकर रक्त-रक्त को परिश्रम की पराकाष्ठा में लगा देना ही प्रभात जी की पहचान थी। बिहार से चलकर मुंबई और ग्वालियर आगमन की यात्रा को जिन लोगों ने देखा, उन्होंने प्रभात जी को एक अभाव में पलने वाले प्रभाव' के रूप में ही देखा। मेरा उनका परिचय 1984 में उस समय हुआ जब माननीय अटल जी ग्वालियर से श्री माधवराव सिंधिया जी के विरुद्ध चुनाव मैदान में थे। एक सभा के मंच के समीप ही उन्होंने मुझे पूछा 'मुझे जानते हो'' मैंने कहा नहीं तो...। वे मुझे पास की दुकान में मौसम्बी रस पिलाने ले गए, वहीं पूरा परिचय दिया। मैं भौंचक्का था, कारण का उल्लेख करना समचीनी नहीं है, बस इतना समझ लीजिए कि मैं उनके नाम को लेकर दुराग्रही था। लेकिन उस पहले परिचय के बाद उन्होंने जिस आत्मीयता के साथ मुझे भाजपा के संभागीय कार्यालय मुखर्जी भवन में आवास उपलब्ध कराने से लेकर पढ़ाई-लिखाई तक की चिंता की, उसने तो मुझे अंदर तक ग्लानि से भर दिया। 'मैं क्या सोचता था और वो क्या निकले।''

समय बीतता गया और बताता गया कि प्रभात जी यानि परिश्रम, प्रभात जी यानि पकड़, प्रभात जी यानि स्मरण शक्ति, प्रभात जी यानि वैचारिक स्पष्टता, प्रभात जी यानि प्रखरता और प्रभात जी यानि अपार संभावना का रास्ता। हुआ भी यही। प्रभात जी के साथ स्वदेश' में कार्य करने का कुछ वर्ष अनुभव रहा। सारा आभा मण्डल प्रभात जी के इर्दगिर्द ही डोलता था। एक समय था जब स्वदेश यानि प्रभात जी थे और प्रभात जी यानि स्वदेश था। रामजन्म भूमि आन्दोलन में मैंने उनकी पत्रकारिता और प्रतिबद्धता को बहुत गहरे से देखा। ग्वालियर का ऐसा कोई गली मोहल्ला नहीं था, जिसके किसी न किसी परिवार से प्रभात जी का टिफिन न आता हो। लोग पूछते थे प्रभात जी का परिवार नहीं है क्या दरअसल उनका परिवार भी था। भाभी को वर्षों तक समझ ही नहीं आया कि पति मिला है या संन्यासी। खैर! जीवछ और बऊआ नामक बेटों के आने के बाद भी कभी किसी ने यह नहीं देखा कि प्रभात जी पण्डित जी (वे भाभी को पण्डित जी ही कहते थे) के साथ बाजार गए हैं या बेटों को किसी उद्यान की सैर करा रहे हैं। कुल मिलाकर परिवार की जिम्मेदारी से लगभग विरक्त रहकर उन्होंने अपनी यात्रा को समष्टि के लिए इस कदर आगे बढ़ाया कि विचार ने उन्हें भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश का पहला मीडिया प्रभारी बनाया। बाद में वे राष्टीय पदाधिकारी, सांसद और प्रदेश अध्यक्ष भी बने। वे जहां रहे, वहां अपने कृतित्व की सुगंध छोड़ते चले गए। आज भी स्वदेश की बात आए तो प्रभात जी की बात होती है।

शहादत से उपजा राष्ट्रभक्ति-समर्पण का ज्वार

पच्चीस साल पहले कारगिल का संघर्ष क्या शुरू हुआ ऐसा लगा जैसे सारा राष्ट्र और प्रत्येक नागरिक देश के लिए कुर्बानी देने को तैयार था। देशभक्ति से ओतप्रोत विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री, स्व. अटल बिहारी वाजपेयी सभी चुनौतियों और व्यक्तिगत सुरक्षा के खतरों को नज़रअंदाज करते हुए 2 जुलाई, 1999 को सीमा पर तैनात युद्धरत सैनिकों की पीठ थपथपाने के लिए स्वयं सीमा पर जा पहुंचे। प्रधानमंत्री को अपने साथ सीमा पर खड़ा देखकर सैनिकों का साहस तो सातवें आसमान पर पहुंचना स्वाभाविक था।

प्रो. प्रेम कुमार धूमल

पांच जुलाई, 1999 को हम कारगिल के युद्ध क्षेत्र में जाने के बाद श्रीनगर के सैनिक अस्पताल में उपचाराधीन घायल सैनिकों को दैनिक उपयोग का आवश्यक सामान दे रहे थे। एक जवान चादर ओढ़े हुए लेटा था। उसने सामान पकड़ा नहीं, हमने बिस्तर के साइड टेबल पर सामान रखा और आगे बढ़ने लगे तभी डॉक्टर ने कहा कि माइन ब्लास्ट में इस वीर सैनिक के दोनों हाथ और दोनों पैर चले गए थे। हम फिर मुड़े और पूछा कि 'बहुत दर्द होता होगा', सैनिक ने उत्तर दिया, 'कल शाम से नहीं हो रहा है।' हमने पूछा क्या कोई दर्द निवारक दवाई ली या टीका लगा? उसने उत्तर दिया 'नहीं, कल शाम (4 जुलाई को) हमने टाइगर हिल वापस ले लिया और तिरंगा फहरा दिया, मेरा दर्द चला गया।' राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना को शत-शत नमन।

आजकल एक और विवाद देखने को मिला यहां शहीद की नौजवान विधवा ने मरणोपरांत मिलने वाले सम्मान व आर्थिक सहायता को शहीद के मां-बाप के साथ साझा करना उचित नहीं समझा। ऐसी समस्याएं आपरेशन विजय के बाद भी आई थीं। अधिकतर विधवाएं नवविवाहिता थीं और उनका पुनर्विवाह होना न्यायोचित भी था, परन्तु बुजुर्ग मां-बाप का सहारा भी तो शहीद जवान ही होता था। इसलिए पुनर्विवाह के समय प्रदेश और केन्द्र सरकार की ओर से मिली सारी की सारी अनुदान राशि, पेट्रोल पम्प या गैस एजेंसी आदि सभी को साथ ले जाना मां-बाप के साथ अन्याय था। अधिकतर मामलों में गरीब मां-बाप ने अपना पेट काट कर बेटे को पाला पोसा था। बुढ़ापे में नौजवान बेटे की शहादत

और बहू का सब कुछ अपने साथ ले जाना उनके लिए दोहरा आघात होता था। हमने प्रदेश कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया कि अगर तो पुनर्विवाह उसी परिवार में होता है तो सभी कुछ वैसे ही रहेगा लेकिन यदि वीर नारी कहीं दूसरी जगह शादी करती है तो सरकार की ओर से मिली राशि में से आधी राशि उस युद्ध विधवा को और आधी राशि बूढ़े मां-बाप को दी जाएगी। यदि शहीद के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हों और मां तथा दादा-दादी से अलग रहते हों तो एक-तिहाई राशि बच्चों को दी जाएगी।

राष्ट्रभक्ति के साथ-साथ एक-दूसरे के प्रति संवेदनशीलता के भी कई उदाहरण देखने को मिले। शिमला जिले का एक अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखने वाला जवान शहीद हुआ था। घर की आर्थिक स्थिति भी कमजोर थी। जब हमने अनुग्रह राशि उन्हें दी तो उस शहीद के परिवार ने कहा, हमें आधी राशि ही दीजिए, अभी युद्ध चल रहा है और शहीद हो रहे हैं आपको कई और परिवारों की सहायता करनी है, हमें आधी राशि दे दो बाकि किसी और परिवार के काम आ जाएगी। शहीद की शहादत को तो नमन था ही पर गरीब परिवार की संवेदनशीलता और दूसरों के प्रति समर्पण की भावना से हम सभी द्रवित हो गए।

पालमपुर जहां एक ओर प्रथम परमवीर चक्र विजेता, मेजर सोमनाथ शर्मा का घर था, वहीं कारगिल युद्ध के नायक परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बतरा, का भी घर है। उस दिन हम कैप्टन विक्रम बतरा के पार्थिव शरीर का इन्तजार कर रहे थे, वहीं पर कारगिल युद्ध के प्रथम शहीद कैप्टन सौरभ कालिया की माता विजय कालिया और कैप्टन विक्रम बतरा की माता साथ-साथ बैठी थीं। विजय कालिया श्रीमती बतरा को ढांढस बंधा रही थीं, एक महान मां दूसरी महान माता को साहस बंधा रही थी। शायद यही जीवन है। इसी प्रकार जिला बिलासपुर की एक बहादुर मां कौशल्या देवी जब मिली तो उन्होंने कहा कि कल मंगल सिंह की अर्थी को डेढ़ किलो मीटर मैंने कंधा दिया। मैंने पहली बार सुना कि शहीद की मां ने अपने शहीद सुपुत्र की अर्थी को कंधा दिया हो।

सोलन जिला मुख्यालय में चपरासी के पद पर नियुक्त एक व्यक्ति का सैनिक बेटा शहीद हो गया। अंतिम संस्कार में भाग लेने के बाद हम उसके घर ढांढस बंधाने के लिए गए। शहीद की मां ने कहा कि मेरा बेटा देश के काम आ गया, दूसरा बेटा दसवीं कक्षा में पढ़ रहा है, यह भी पढ़कर फौज में भर्ती होगा और देश की सेवा करेगा।

जिला हमीरपुर के बमसन क्षेत्र में पहाड़ी के ऊपर एक बगलू गांव है, यहां से राजकुमार सुपुत्र खजान सिंह शहीद हुए थे। मैं उनके आंगन में पहुंच गया और इससे पहले कि मैं कुछ बोलता, खजान सिंह बोले कि धूमल साहब, बेटे तो पैदा ही इसलिए किए जाते हैं कि पढ़े, लिखें और बड़े होकर फौज में भर्ती हों और देश की रक्षा करें। उन्होंने अपने दोनों पोते मुझसे मिलाये और कहा, ये भी पढ़कर फौज में भर्ती होंगे और देश की सेवा करेंगे। उन्होंने मुझे कहा, आप दिल्ली जाएंगे तो प्रधानमंत्री, वाजपेयी जी को कहना कि जवानों की यदि कमी हो तो 82 वर्ष का हवलदार खजान सिंह आज भी हथियार उठाकर देश की रक्षा करने के लिये तैयार है।

शहीदों का अदम्य साहस, परिवारों का सम्पूर्ण समर्पण, अटल जी का दृढ़ निश्चयी नेतृत्व सदियों तक देश के लिए प्रेरणा रहेगा। 5 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने अटल जी को फोन करके कहा कि पाक प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफउनके पास पहुंच गये हैं और अटल जी से आग्रह किया कि वे भी युद्धविराम की घोषणा कर दें। तब श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी का कथन था 'जब तक एक भी घुसपैठिया कारगिल में है, तब तक न युद्धविराम होगा और न मैं देश छोड़कर कहीं जाऊंगा।' ये कथन इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। प्रधानमंत्री के इस दृढ़संकल्प से सैनिकों व देशवासियों में नई ऊर्जा आ गई थी।

लेखक हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं।

प्रभात झाः लोकसंग्रह और संघर्ष से बनी शख्सियत

-प्रो.संजय द्विवेदी

यह नवें दशक के बेहद चमकीले दिन थे। उदारीकरण और भूमंडलीकरण जिंदगी में प्रवेश कर रहे थे। दुनिया और राजनीति तेजी से बदल रहे थी। उन्हीं दिनों मैं छात्र आंदोलनों से होते हुए दुनिया बदलने की तलब से भोपाल में पत्रकारिता की पढ़ाई करने आया था। एक दिन श्री प्रभात झा जी अचानक सामने थे, बताया गया कि वे पत्रकार रहे हैं और भाजपा का मीडिया देखते हैं। इस तरह एक शानदार इंसान, दोस्तबाज,तेज हंसी हंसने वाले, बेहद खुले दिलवाले झा साहब हमारी जिंदगी में आ गए। मेरे जैसे नये-नवेले पत्रकार के लिए यह बड़ी बात थी कि जब उन्होंने कहा कि卐 तुम स्वदेश में हो, मैं भी स्वदेश में रह चुका हूं।卐 सच एक पत्रकार और संवाददाता के रूप में ग्वालियर में उन्होंने जो पारी खेली वह आज भी लोगों के जेहन में हैं। एक संवाददाता कैसे जनप्रिय हो सकता है, वे इसके उदाहरण हैं। रचना,सृजन, संघर्ष और लोकसंग्रह से उन्होंने जो महापरिवार बनाया मैं भी उसका एक सदस्य था।

उत्साह, ऊर्जा और युवा पत्रकारों को प्रोत्साहित कर दुनिया के सामने ला खड़े करने वाला प्रभात जी का स्वभाव उन्हें खास बनाता था। अब उनका पर्याय नहीं है। वे अपने ढंग के अकेले राजनेता थे,जिनका पत्रकारों, लेखकों, बुद्धिजीवियों से लेकर पार्टी के साधारण कार्यकर्ताओं तक आत्मीय संपर्क था। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे। फिर उसकी विचारधारा से जुड़े अखबार में रहे और बाद में भाजपा को समर्पित हो गये। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तक उनकी यात्रा उनका एकांगी परिचय है। वे विलक्षण संगठनकर्ता, अप्रतिम वक्ता और इन सबसे बढ़कर बेहद उदार व्यक्ति थे। उनके जीवन में कहीं जड़ता और कट्टरता नहीं थी। वे समावेशी उदार हिंदू मन का ही प्रतीक थे। उनका न होना मेरी व्यक्तिगत क्षति है। वे मेरे संरक्षक, मार्गदर्शक और सलाहकार बने रहे। उनकी प्रेरणा और प्रोत्साहन ने मेरे जैसे न जाने कितने युवाओं को प्रेरित किया।

उनके निधन से समाज जीवन में जो रिक्तता बनी है, उसे भर पाना कठिन है। छात्र जीवन से ही उनका मेरे कंधे

पर जो हाथ था,वह कभी हटा नहीं। भोपाल, रायपुर, बिलासपुर, मुंबई मेरी पत्रकारीय यात्रा के पड़ाव रहे,प्रभात जी हर जगह मेरे साथ रहे। वे आते और उससे पहले उनका फोन आता। उनमें दुर्लभ गुरूत्वाकर्षण था। उनके पास बैठना और उन्हें सुनने का सुख भी विरल था। किस्सों की वे खान थे। भाजपा की राजनीति और उसकी भावधारा को मैं जितना समझ पाया उसमें श्री प्रभात झा और स्व.लखीराम अग्रवाल का बड़ा योगदान है। भाजपा की अंर्तकथाएं सुनाते फिर हिदायत भी देते, ये छापने के लिए नहीं, तुम्हारी जानकारी और समझ के लिए है।

मुझे नहीं पता कि प्रभात जी पत्रकारिता में ही रहते तो क्या होते। किंतु भाजपा में रहकर उन्होंने 'विचार' के लिए जगह बनाकर प्रकाशन, लेखन और मीडिया के पक्ष को बहुत मजबूत किया। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की जमीन पर भाजपा के विचार को मीडिया और बौद्धिक वर्ग में उन्होंने लोकस्वीकृति दिलाई। वे 'कमल संदेश' जैसे भाजपा के राष्ट्रीय मुखपत्र के वर्षों संपादक रहे। राज्यों में भाजपा की पत्रिकाएं और प्रकाशन ठीक निकलें , ये उनकी चिंता के मुख्य विषय थे। आमतौर पर राजनेता जिन बौद्धिक विषयों को अलक्षित रखते थे, प्रभात जी उन विषयों पर सजग रहते। वे उन कुछ लोगों में थे जिनका हर दल और विचारधारा से जुड़े लोगों से संवाद था। एक बार उन्होंने मुझसे कहा था 卐अपने कार्यक्रमों में सभी को बुलाएं, तभी आनंद आता है। एक ही विचार के वक्ताओं के बीच एकालाप ही होता है, संवाद संभव नहीं।卐 उन्होंने मेरी किताब 'मीडिया नया दौर नयी चुनौतियां' का लोकार्पण एक भव्य समारोह में किया। जिसमें माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो.बीके कुठियाला, टीवी पत्रकार और संपादक रविकांत मित्तल भी उपस्थित थे। दिल्ली के अनेक मंचों पर मुझे उनका सान्निध्य मिला। उनका साथ एक ऐसी छाया रहा, जिससे वंचित होकर उसका अहसास अब बहुत गहरा हो गया है। वे हमारे जैसे तमाम युवाओं की जिंदगी में सपने जगाने वाले नायक थे। हम छोटे शहरों, गांवों से आए लोगों को वे बड़ा आसमान दिखाकर उड़ान के लिए छोड़ देते थे।

उन्होंने तमाम ऐसी प्रतिभाओं को खोजा, उन्हें संगठन में प्रवक्ता, संपादक , मंत्री, सांसद, विधायक और तमाम सांगठनिक पदों तक पहुंचने में मदद की। एक समय भाजपा के राष्ट्रीय सचिव के नाते वे बहुत ताकतवर थे। अध्यक्ष राजनाथ सिंह (अब रक्षा मंत्री) उन पर बहुत भरोसा करते थे। प्रभात जी ने इस समय का उपयोग युवाओं को जोड़ने में किया। मैं नाम गिनाकर न लेख को बोझिल बनाना चाहता हूं, न उन व्यक्तियों को धर्म संकट में डालना चाहता हूं, जो आज बहुत बड़े हो चुके हैं। भाजपा का आज स्वर्ण युग है, संसाधन, कार्यकर्ता आधार बहुत विस्तृत हो गया है। किंतु प्रभात जी बीजेपी के 'ओल्ड स्कूल' में ही बने रहे। जहां पार्टी परिवार की तरह चलती थी और व्यक्ति से व्यक्तिगत संपर्क को महत्व दिया जाता था। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ ही नहीं देश के अनेक राज्यों के कार्यकर्ता, पत्रकार,समाज के विविध क्षेत्रों में सक्रिय लोग उनसे बेहिचक मिलते थे।

इस सबके बीच उन्होंने अपने स्वास्थ्य का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा। मैंने उन्हें दीनदयाल परिसर के एक छोटे कक्ष में रहते देखा है। परिवार ग्वालियर में ,खुद भोपाल में एकाकी जीवन जीते हुए। यहां भी दरवाजे सबके लिए हर समय खुले थे, जब अध्यक्ष बने तब भी। दिनचर्या पर उनका नियंत्रण नहीं था, क्योंकि पत्रकारिता में भी कोई दिनचर्या नहीं होती। मध्यप्रदेश भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने जिस तरह तूफानी प्रवास किया, उसने कार्यकर्ताओं को भले खुश किया। राजपुत्रों को उनकी सक्रियता अच्छी नहीं लगी। वे षड्यंत्र के शिकार तो हुए ही, अपना स्वास्थ्य और बिगाड़ बैठे। उनका पिंड 'पत्रकार' का था, किंतु वे 'जननेता' दिखना चाहते थे। इससे उन्होंने खुद का तो नुकसान किया ही, दल में भी विरोधी खड़े किये। बावजूद इसके वे मैदान छोड़कर भागने वालों में नहीं थे। डटे रहे और अखबारों में अपनी टिप्पणियों से रौशनी बिखेरते रहे। आज जब परिवार जैसी पार्टी को कंपनी की तरह चलाने की कोशिशें हो रही हैं, तब प्रभात झा जैसे व्यक्ति की याद बहुत स्वाभाविक और मार्मिक हो उठती है।

उनकी पावन स्मृति को शत-शत् नमन। भावभीनी श्रद्धांजलि।

(लेखक भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक हैं)

मुख्यमंत्री के लिए चिंचित उपराज्यपाल

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नसीहत दी है कि उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए और डॉक्टर द्वारा परामर्शित दवा की खुराक समय से लेते रहना चाहिए।

केजरीवाल के गिरते वजन से चिंचित उपराज्यपाल ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल जानबूझकर उन्हें दी जाने वाली चिकित्सकीय खुराक और दवाइयां नहीं ले रहे हैं।

उपराज्यपाल ने इस बाबत मुख्य सचिव नरेश कुमार को पत्र लिखा है, जिसमें केजरीवाल के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे जेल अधीक्षक की रपट का हवाला दिया है। आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री के जानबूझकर कम कैलॉरी लिए जाने के कई उदाहरण हैं, जबकि उन्हें घर का बना खाना पर्याप्त मात्रा में मिल रहा है।

जेल अधिकारियों को सुझाव देते हुए उपराज्यपाल ने कहा है कि वे मुख्यमंत्री को निर्धारित आहार के अलावा दवा और इंसुलिन की तय खुराक लेने की सलाह दे सकते हैं क्योंकि मुख्यमंत्री 'टाइफ-2' मधुमेह से पीड़ित हैं।

दूसरी तरफ, आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी और उसकी अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर जेल में बंद मुख्यमंत्री केजरीवाल के स्वास्थ्य को स्थायी नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। दावा किया है कि आप प्रमुख का वजन कम हो गया है तथा उनके रक्त में शर्करा स्तर में गिरावट आई है। यह भी अंदेशा जताया है कि केजरीवाल कोमा में जा सकते हैं और उनके मस्तिष्क को भी नुकसान पहुंच सकता है। आप ने उपराज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री केजरीवाल को नसीहत देने वाले पत्र लिखे जाने पर निशाना साधा है।

पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने 'एक्स' पर लिखा है, 'यह कैसा मजाक है एलजी सर? क्या कोई व्यक्ति रात में अपना शुगर लेवल कम कर सकता है? जो बहुत खतरनाक है। एलजी सर, आपको बीमारी के बारे में नहीं पता है तो आपको ऐसा पत्र नहीं लिखना चाहिए।'

बहरहाल, महत्त्वपूर्ण यह बात है कि स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ नहीं किया जाना चाहिए। चाहे आपके बीच कितने भी राजनीतिक मतभेद हों या भले ही आप कितने ही कड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी ही क्यों न हों। हम देख रहे हैं कि आप और भाजपा के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता कटुता की हद तक बढ़ चुकी है। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि कटुता के चलते स्वास्थ्य को दांव पर लगाना कतई विवेकपूर्ण नहीं।

1 अगस्त को महिलाएं लगाएंगी 4.25 लाख पौधे

प्रधानमंत्री आवास योजना के अधूरे कार्यो पर कलेक्टर ने जताई गहरी नाराजगी

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

कलेक्टर अवनीश शरण ने आज प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों की गहन समीक्षा की। आवास योजना की मॉनीटरिंग के लिए मैदानी स्तर पर 63 नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। कलेक्टर ने कार्यो की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए अपूर्ण कार्यो को हरहाल में 30 सितम्बर तक पूरा करने के निर्देश दिए। 1 अगस्त को जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृहद पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा। महतारी वंदन योजना की सवा 4 लाख महिलाएं भी इस पौधरोपरण अभियान में बढ़चढ़कर हिस्सा लेंगी। कलेक्टर ने इसकी समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि समस्त अधूरे लगभग 4 हजार कार्यो को सितम्बर तक पूर्ण किया जाए। इसमे किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नोडल अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए है कि वे कार्यों की मॉनीटरिंग सतत रूप से करें।

इसी प्रकार पीएम जनमन आवास योजना के अधूरे कार्यो पर भी नाराजगी व्यक्त की। बैठक में बताया गया कि 1 हजार 97 पीव्हीटीजी के पात्र हितग्राही है। जिनमें 655 कार्य स्वीकृत किए गए है। 475 कार्य के लिए प्रथम किस्त की राशि जारी की गई है, 250 हितग्राहियों को दूसरी किस्त की राशि, 147 हितग्राहियों को तीसरी किस्त और 13 हितग्राहियों को चौथी किस्त जारी की जा चुकी है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 1 अगस्त को किये जाने वाले सघन पौधरोपण के लिए नगर निगम कमिश्नर को नोडल अधिकारी बनाया गया है। अभियान में मुख्य रूप से फलदार एवं छायादार पौधे रोपे जाएंगे। महिलाएं घर की बाड़ी, सार्वजनिक जगह या अन्य किसी स्थान पर भी पौधा लगा सकती है। पौधा लगाने के बाद तैयार किए गए एप पर फोटो भी अपलोड किया जाएगा। पौधा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी वन विभाग को दी गई है।

कलेक्टर ने निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) की भी समीक्षा करते हुए स्कूलों में नियुक्त किए गए मेंटर को अगले 15 दिन में सभी स्कूलों का निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि इसकी समीक्षा टीएल बैठक में नियमित रूप से की जाएगी।

उन्होंने ड्रॉपआउट बच्चों की जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि 4 साल में लगभग साढ़े 3 हजार बच्चे ड्रॉपआउट हुए है। उल्लेखनीय है कि आरटीई के तहत बच्चों एवं पालकों को प्रेरित और सहायता प्रदान करने, स्कूल प्रबंधन और प्रशासन के मध्य समन्वय कर विद्यार्थियों को उनकी शिक्षा निरंतर रखने में आने वाले अवरोधों को दूर करने 117 मेंटर की नियुक्ति की गई है। इसमें कलेक्टर समेत जिले के आला प्रशासनिक अधिकारी शामिल है। कलेक्टर ने मिशन 90 प्लस पोर्टल की भी समीक्षा की। बैठक में नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार, डीएफओ श्री सत्यदेव शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकरी श्री आरपी चौहान सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

शांति और मेल-मिलाप की शिक्षा: 2024 सेंट जेवियर्स अंग्रेजी माध्यम स्कूल पत्थलगांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

सत्र 2024-25 के लिए निर्धारित वार्षिक उद्देश्य के अन्तर्गत ''शांति और मेल-मिलाप की शिक्षा'' को ध्यान में रखते हुए दिनांक 27/07/2024 दिन - शनिवार को सेंट जेवियर्स अंग्रेजी माध्यम स्कूल पत्थलगांव में ''पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उप प्राचार्य फादर सिलास टोप्पो ये.स. (सेंट जेवियर्स अंग्रेजी माध्यम स्कूल पत्थलगांव) के द्वारा किया गया। सुबह शालीय प्रार्थना (असेम्बली) से ही कार्यक्रम में सहदय सहभागी होने के लिए कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने पेड़-पौधों की महत्ता पर सुन्दर झांकी प्रस्तुत की। फादर सुनील खलखो ये.स. (प्राचार्य, सेंट जेवियर्स अंग्रेजी माध्यम स्कूल पत्थलगांव) ने इस सुन्दर प्रात: शालीय प्रार्थना बेला में पेड़-पौधों की महत्ता को ध्यान में रखते हुए बच्चों को अपने-अपने घरों के आस-पास पेड़ लगाने के लिए जोर दिया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहां कि ''पेड़ हमारा जीवन है, अत: हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाना है और जीवन को बचाना है। उन्होंने यह भी संदेश दिया कि ''मानव का शांति और मेल-मिलाप पूर्ण जीवन प्राकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने में ही निहीत है।'' इसके पश्चात् विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया और कक्षावार सामूहिक पसंद के अनुसार चुने हुए सुन्दर फलदार, छायादार, और रंग-बिरंगे फूल एवं अन्य पौधे लगाये गये। जिनमें आमरूद, काजू, बादाम, जामुन, एरिका पाम, रूबिना पाम, रबर पेड़, क्रोनोक्रोपस, बकुल (सदाबहार पेड़), क्रिसमस ट्री, नीम, एगजोरा एवं रंग-बिरंगें फूल आदि के पौधे थे। वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्त में सभी विद्यार्थियों ने वृक्षों की सुरक्षा एवं रखरखाव का संकल्प लिया और खुशी-खुशी अपने घर की ओर प्रस्थान किये।

कांग्रेस के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष स्वर्गीय सत्यनारायण शर्मा जी की तीसरी पुण्यतिथि में जनपद सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की

श्रमबिन्दु / पत्थलगांव

पत्थलगांव के नंदन झरियास्थित संत गहिरा गुरु आश्रम में बच्चों के साथ मिलकर दी श्रद्धांजलि उक्त कार्यक्रम में स्वर्गीय सत्यनारायण जी की प्रतिमा में दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर उनके जीवन में समाज एवं लोगोंके सहयोग भाव उनकी जन सेवा उनकी राजनीतिक जीवन को याद किया गया उक्त कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष सुकृत सिंह सिदार ने कहां की ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष पद में रहते हुए उन्होंने अपनी जिम्मेदारी पूर्वक लोगों की सेवा की हर छोटे से छोटे कार्यकर्ता का जनता का थाने का जनपद का नगर पंचायत का किसी भी प्रकार की समस्या का निराकरण उनके द्वारा किया जाता था हर व्यक्ति से पर्सनल उनके नाम से उन्हें पहचानते थे हमेशा कांग्रेस मजबूत किया जनपद उपाध्यक्ष नजिरसाय निकुंज ने कहां कि हमारे क्षेत्र के सच्चे समाजसेवी थे क्षेत्र के हर गांवमें कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नाम से जानते थे मेरे राजनीतिक गुरु उन्हें मानता हूं जनपद सदस्य अध्यक्ष सुकृत से सिदार नजीर साय निकुंज ,रामनरेश पैंकरा राधेश्याम गुप्ता ,मुरलीधरयादव, मुकेश पैंकरा बसंती आलोक मिंज ज्योतिमिंज फिलसीता टोप्पो, नीता कुर्रे, युवा साथी कुंवर साय कुजूर ,जैराम लकड़ा, राजू गुप्ता, अहल्लाह राठिया एवं नगर वासी हैप्पी भाटिया कीर्ति गंधर्व ,आलोक अग्रवाल एवं दबंग रिपोर्टर ने उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें सच्चीश्रद्धांजलि दी गहिरा गुरु आश्रम के बच्चों के द्वारा स्वर्गीय सत्यनारायण श्रद्धांजलि अर्पित की गई श्रद्धांजलि कार्यक्रमका संचालन अजय राजपूत ने किया

डीजल चोरी करने वाले आरोपी चालक विकास यादव एवं सह आरोपी मुनेश्वर यादव उर्फगुनू को पत्थलगांव पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

श्रमबिन्दु / पत्थलगांव

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी कृष्ण कुमार यादव उम्र 37 वर्ष निवासी पाहन्दा रोड वार्ड क्र. 10 बलौदाबाजार, जिला बलौदाबाजार (छ.ग.) ने दिनांक 30.06.2024 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि यह दुर्गा जिप्सम वैचर्स प्रायवेट लिमिटेड में सुपरवाईजर के पद कार्यरत है। दिनांक 19.06.2024 को करीबन सुबह 05:00 बजे ईमामी सीमेंट प्लांट रिसदा से ट्रक वाहन कमांक ष्ट्ग 22ङ्ग8595 का ड्रायवर राकेश कुमार यादव सीमेंट लोड कर बतौली जिला सरगुजा के लिए निकला था। ट्रक ड्रायवर राकेश कुमार यादव के द्वारा ट्रक वाहन कमांक ष्ट्ग 22 ङ्ग 8595 का 14 नग टायर

डिस्क समेत 200 लीटर डीजल चोरी कर भाग गया है, रिपोर्ट पर धारा 379 भा.दं.स. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक जशपुर श्री शशि मोहन सिंह द्वारा एसडीओपी पत्थलगांव ध्रुवेश कुमार जायसवाल एवं निरीक्षक विनित पाण्डेय को प्रकरण की बारीकी से विवेचना कर आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिया गया है। विवेचना दौरान घटना स्थल का निरीक्षण, प्रार्थी एवं गवाहों से पूछताछ उपरांत प्रकरण के आरोपी राकेश यादव निवासी ग्राम बनचावर मसीरा जिला शहडोल (म.प्र) की पतासाजी करने पर फोटो से आरोपी चालक को पहचान कर हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर अपना नाम विकाश कुमार यादव पिता रामवरण यादव ग्राम वार्ड न 03 बनचाबर शहडोल (म.प्र.) का रहने वाला बताया तथा दुर्गा जिप्सम वैचर्स प्रायवेट लिमिटेड कंपनी में अपने भाई राकेश कुमार यादव का आधार कार्ड देकर वाहन चलाना बताया तथा प्रकरण में ट्रक वाहन क्रमांक सी.जी. 22 एक्स 8595 में चोरी हुये मशरूका 04 नग टायर डिस्क सहित तथा एक नग पावर जैक का भुनेश्वर यादव निवासी ग्राम खरकटटा के पास 31000 रूपये में सौदा कर बिक्री किया है, तथा उक्त बिक्री रकम 31000 रु. में से नगद 25000 रू. मिला है, शेष 6000 रूपये भुनेश्वर यादव के द्वारा बाद में दूंगा बोला है उधारी है।

खास खबर

सहकारी समिति की मतदाता सूची पर दावा आपत्ति 31 तक

बिलासपुर कामगार सहकारी समिति मर्यादित कौडिया में आगामी तिथि में साधारण अथवा विशेष साधारण सभा संपन्न होना है। सोसाईटी के सदस्यों की मतदाता सूची प्रकाशन कर दिया गया है। मतदाता सूची कार्यालय जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा सीपत के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दिया गया है। सूची के संबंध में दावा आपत्ति 31 जुलाई तक कार्यालयीन समय में सोसाइटी कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मीनू अग्रवाल के समक्ष प्रस्तुत किये जा सकते है।

मझगांव स्कूल में शिक्षा सप्ताह का आयोजन

बिलासपुर। शिक्षा सप्ताह के पांचवे दिन कोटा ब्लॉक के मझगाँव शासकीय स्कूल में कौशल एवं डिजिटल पहल विषय पर छात्रों को विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कक्षा 11 वी से जयदीप यादव ने बचाइए समय और पैसा विषय पर विभिन्न मोबाइल एप और उनको चलाना, सूरज कुमार बंदे ने डिजिटल इंडिया अभियान, कु रोमा मरावी ने ई लाइब्रेरी, कुणाल खुसरो ने कूकू एफएम, प्रशांत जाय सवाल ने मोबाइल के लाभ हानि विषय पर अपने विचार रखे।

कारगिल विजय दिवस का रजत जयंती समारोह मनाया गया

बिलासपुर। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में आज कारगिल विजय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अवनीश शरण मौजूद थे। कारगिल युद्ध के दिनों को याद करते हुए उन्होंने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। जिला सैनिक कल्याण बोर्ड कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं पूर्व सैनिकों द्वारा कारगिल युद्ध के शहीद जवानों के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अवनीश शरण मुख्य ने कारगिल युद्ध के दिनों को याद करते हुए कहा कि सीमा पर लड़ने वाले वीर जवानों के कारण ही आम नागरिक सुरक्षित रहकर अपना काम कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध में देश की रक्षा के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले वीरों का योगदान अविस्मरणीय है। कार्यक्रम में शहीद वीर जवानों के परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे श्री शरण ने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों के परिवारों को होने वाली किसी भी समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाएगा। भूत पूर्व सैनिकों ने ज्ञापन सौंपकर शहर में शहीद स्मारक स्थापना के लिए आग्रह किया। इस मौके पर कारगिल युद्ध में शामिल जवानों ने अपने अनुभव साझा किए।

देशी दिवाज ग्रुप ने किया सावन उत्सव आयोजन

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

देशी दिवाज ग्रुप के द्वारा आज श्रीकांत वर्मा मार्ग स्थित निजी होटल मे सावन उत्सव मनाया गया,जिसकी व्यवस्थापिका सुनैना नायर एवं श्वेता पटेल रही । कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व शिव जी के पूजन भजन से किया गया। भजन सुनैना नायर के द्वारा गाया गया,उसके बाद मनोरंजक गेम्स हाउज़ी और सावन क्वीन का चुनाव हुआ,हाउजी की विजेता रही। गेम की विजेता रही सावन क्वीन बनी। कार्यक्रम में कुल 45 महिलाओं ने हिस्सा लिया जिसमें बिलासपुर के अलावा कई जिलों से जिसमे उमरिया से संतोषी

राऊत ,नारायणपुर से कविता शर्मा ,धमतरी से सुनीता पांडे,कोरिया बैकुंठपुर से संचिता गुप्ता भी शामिल हुए ।इसके अलावा बिलासपुर से भी बड़ी संख्या मे महिलाओं ने बढ़ चढ़कर कार्यक्रम मे भाग लिया, कार्यक्रम का समापन भोज एवं आभार प्रकट श्वेता पटेल द्वारा किया गया साथ ही साथ सभी का अभिवादन के साथ ग्रुप द्वारा महिलाओं को उपहार देकर विदा किया गया।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने अगले डॉ. कलाम, डॉ. एचजी खुराना, डॉ. एमएस स्वामीनाथन और सर जेसी बोस की तलाश में एंथे 2024 लांच किया

श्रमबिन्दु / बिलासपुर

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल), परीक्षण तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी, गर्व से बहुप्रतीक्षित आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम के नवीनतम संस्करण के लांच की घोषणा की। एंथे 2024 के लांच के साथ, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अगले दूरदर्शी लोगों की तलाश शुरू हो गई है। महान वैज्ञानिक जैसे सर जगदीश चंद्र बसु, जिन्होंने वनस्पति विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया और डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन, जिन्हें भारत की हरित क्रांति का जनक माना जाता है। डॉ. हर गोबिंद खुराना, जिनकी जैव रसायन में की गई खोजों ने आनुवंशिकी को नया आकार दिया और डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, जिनके दूरदर्शी एयरोस्पेस और मिसाइल प्रौद्योगिकी में काम ने एक राष्ट्र को प्रेरित किया। आकाश इसका मार्गदर्शन करने का प्रयास करता है छात्र समर्पण और नवाचार के साथ समान उत्कृष्टता प्राप्त करें। लोकप्रिय और अत्यधिक मांग वाली इस परीक्षा के माध्यम से कक्षा सातवीं से बाहरवीं तक के छात्रों को 100 प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप और महत्वपूर्ण नकद पुरस्कार प्राप्त करने

का अवसर मिलता है, जिससे वे चिकित्सा या इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सफल करियर के अपने सपनों को साकार कर सकते हैं। इस वर्ष, इसे विशेष और रोमांचक बनाने के लिए इसमें पांच उत्कृष्ट छात्रों के लिए फ्लोरिडा, यूएसए में कैनेडी स्पेस सेंटर की पांच दिवसीय पूर्ण-खर्च-भुगतान यात्रा शामिल की गई है। फ्लोरिडा में स्थित जॉन एफ कैनेडी स्पेस सेंटर, संयुक्त राज्य अमेरिका में नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के दस फील्ड सेंटरों में से एक है।

एंथे छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं को आकाश के व्यापक कोचिंग कार्यक्रमों से लाभ होगा, जो छात्र नीट, जेईई, राज्य सीईटी और एनटीएसई और ओलंपियाड जैसी छात्रवृत्ति परीक्षाओं के लिए तैयारी करते हैं।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के सीईओ और एमडी श्री दीपक मेहरोत्रा ने कहा, एंथे ने अनगिनत छात्रों की आकांक्षाओं और क्षमताओं के बीच अंतर को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एंथे 2024 के साथ, हम भविष्य के डॉक्टरों और इंजीनियरों को विकसित करने और अगले एपीजे अब्दुल कलाम, एचजी खुराना, एमएस स्वामीनाथन और जेसी बोस की तलाश के लिए एक राष्ट्रीय प्रतिभा खोज शुरू कर रहे हैं जो अग्रणी काम करेंगे और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में भारत को गौरवान्वित करेंगे।

इस बार एंथे अपने 15वें सफल वर्ष का जश्न मना रहा है, और इसके पास श्रेष्ठ उपलब्धियों का एक शानदार रिकॉर्ड है। इन वर्षों में, एंथे के कई छात्रों ने नीट यूजी और जेईई एडवांस्ड जैसी प्रतिष्ठात्मक परीक्षाओं में शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। एंथे के माध्यम से आकाश में दाखिल होने वाले कुछ प्रमुख उपलब्धियां शामिल हैं: ऋषि शेखर शुक्ला , कृष्णा साई शिशिर , अभिषेक जैन (जेईई एडवांस्ड 2024, ब्रक्र 78) और अन्य। नीट 2023 में हमारे शीर्ष स्कोरर्स शामिल हैं: कौस्तव बौरी , ध्रुव आडवाणी , सूर्य सिद्धार्थ एन , आदित्य नीरज और आकाश गुप्ता एंथे 2024 का आयोजन 19 से 27 अक्टूबर 2024 के बीच ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में, भारत के 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में होगा, 100 प्रतिशत तक की छात्रवृत्तियों के अलावा, शीर्ष स्कोरर्स को नकद पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा।

एथे ऑफलाइन परीक्षा 20 और 27 अक्टूबर 2024 को आकाश इंस्टीट्यूट के सभी 315+ केंद्रों पर सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित की जाएगी, जबकि ऑनलाइन परीक्षा 19 से 27 अक्टूबर 2024 के बीच किसी भी समय लिया दी जा सकती है। छात्र अपने अनुकूल समय में एक घंटे का स्लॉट चुन सकते हैं।

एंथे एक घंटे की परीक्षा होगी, जिसमें कुल 90 अंक होंगे और 40 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे, जो छात्रों की उनकी कक्षा और विषय विचारों के आधार पर होंगे। कक्षा 7 से 9 के छात्रों के लिए, प्रश्न भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, गणित और मेंटल एबिलिटी से संबंधित होंगे। कक्षा 10 के छात्रों के लिए चिकित्सा शिक्षा के लिए भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान और मेंटल एबिलिटी से संबंधित होंगे, जबकि इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के लिए भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और मेंटल एबिलिटी से संबंधित होंगे।

ठीक उसी तरह, नीट के लिए लक्ष्य रखने वाले कक्षा 11-12 के छात्रों के लिए प्रश्न भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और जूलॉजी से संबंधित होंगे, जबकि इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के लिए भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित से संबंधित होंगे।

मूसलाधार बारिश से रास्ते हुए अवरुद्ध, घरों में घुसा पानी

श्रमबिन्दु / बलौदाबाजार

जिले में लगातार बारिश से अतिवृष्टि जैसे हालात निर्मित होने लगे हैं। नदी-नाले ऊफान पर है विकासखंड क्षेत्र के अलग-अलग गांवों का मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। पुल-पुलिया के ऊपर से पानी गुजर रहा है। ग्राम हथबंध के बांध से सड़क के ऊपर से पानी का बहाव चल रहा है जिससे गैस एजेंसी से लेकर बांध तक की सड़क धसक गई है इन पुलियों पर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है। लोग जान जोखिम में डालकर पुलिया पार कर रहे हैं। साथ ही रेल्वे पटरी पार वार्ड क्रमांक 2के मकान में पानी अंदर तक घुस गया है जिससे लोग परेशान और अस्त बस्त हो गए है लगातार बारिश से अब अतिवृष्टि जैसे हालात निर्मित होने लगे हैं पुल के ऊपर से पानी बहने लगा है। इससे आवागमन अवरूद्ध हो गया है। वही ग्राम दर चुरा के बांध में ज्यादा जल भराव के कारण अधिक दबाव के चलते एक हिस्सा फूट गया है जिससे आसपास खेत ,सड़क में पानी भर गया है।

अत्यधिक पानी खेत में भरने से किसान चिंतित है साथ ही ग्राम गणेशपुर वाले लोगो को पानी भराव से ज्यादा खतरा है सिमगा से हथबंद और सुहेला होते हुए बलौदा बाजार जाने वाली सड़क का बुरा हाल कमर तक भरा है पानी मोटरसाइकिल वालों को पार करने में हो रही है परेशानी तीन दिन की लगातार बारिश से पुल के ऊपर से पानी बहने से रास्ते अवरुद्ध हुए है।

जोक्स

नींद की गोलियां

आपके पति को बहुत ज्यादा आराम की जरुरत है, ये लो नींद की गोलियां।
पत्नीः उन्हें ये कब देनी है डॉक्टर
डॉक्टरः ये उनके लिए नहीं, आपके लिए हैं।

लड़की वाले

पापा जल्दी से तैयार हो जाओ
पापाः क्यों?
पप्पूः अरे आज लड़की वाले मुझे देखने आ रहे हैं
पापाः अबे तुझे किसने कहा?
पप्पूः अरे वो पड़ोस में अंकल हैं ना, मैंने उनकी लड़की को छेड़ दिया तो वो बोले, देख लेंगे तुझे।

कॅरिअर सेट

लड़का एक लड़की के घर के बाहर खड़ा था,तभी आंटी बाहर आयी
आंटी क्यों खड़े हो?
लड़काः ऐसे ही।
आंटीः बेटा यही उम्र है, थोड़ा पढ़ो लिखो कॅरिअर सेट कर लो।
लड़काः आपकी लड़की तो मेरे से सेट हो नहीं रही कॅरिअर क्या खाक सेट करूंगा।

अच्छा

खचाखच भरी बस में एक लड़की सफर कर रही थी,अचानक ड्राइवर ने ब्रेक मारा।
एक लड़के का हाथ लड़की से छू गया।
लड़की आराम से खड़े हो जाओ।
लड़काः सॉरी,
फिर ब्रेक लगा फिर हाथ छू गया।
लड़कीः ये आप अच्छा नहीं कर रहे हैं।
लड़काः मैडम इतनी भरी बस में इससे अच्छा हो ही नहीं सकता।

किस

पिंकी रोते हुए घर आयी।
मांः क्या हुआ रो क्यों रही है।
पिंकीः पप्पू ने मुझे किस किया।
मां गुस्से मेंः क्यों उसकी इतनी हिम्मत।
पिंकीः हां मैंने तो बस उससे ये पूछा था कि तेरे मम्मी पापा क्या करते हैं।

एक-दूसरे को हद से ज्यादा जानना पड़ सकता है महंगा

लव मैरिज बेहतर है या अरेंज्ड मैरिज? आजकल की ज्यादातर 24 प्लस युवा पीढ़ी इन्हीं दो बातों से घिरी हुई है। क्योंकि यह वह दौर होता है जब बच्चे का करियर सेट होते ही मां-बाप उसके हाथ पीले करने के बारे में सोचते हैं। जहां लोग सोचते हैं कि लव मैरिज बेहतर है, क्योंकि हम पहले से ही अपने जीवनसाथी की पसंद-नापसंद को अच्छे से जानते हैं। वहीं, अरेंज्ड मैरिज वालों का कहना है कि शादी के बाद जोड़ों को एक-दूसरे को अच्छे से जानने का मौका मिलता है।

यहां तक तो सब ठीक है, लेकिन एक अंग्रेजी वेबसाइट के दौरान हुए लव सर्वे में जो तथ्य निकलकर सामने आए हैं वह हर किसी के लिए थोड़े हैरान करने वाले हैं। कुछ लोगों का मानना है कि लव मैरिज करने वाले लोगों को अरेंज्ड मैरिज की तुलना में अपने पार्टनर पर शक होने का खतरा अधिक बना रहता है। यही नहीं, एक-दूसरे को हद से ज्यादा जानना ही उनके रिश्ते के लिए जानलेवा बनता है। हम ऐसी बातों पर विश्वास नहीं करते हैं,क्योंकि यह पूरी तरह से दो लोगों यानी पति-पत्नी पर ही डिपेंड होता है। लेकिन फिर भी कभी आपने सोचा है कि ऐसे कौन से कारण होते हैं जिन्हें लेकर पार्टनर के मन में धोखे जैसी फीलिंग आती है या वह धोखे देने जैसी गलतियां कर देते हैं।

शादी से पहले की लाइफ

हम इस बात को मानते हैं जब हम प्यार में होते हैं तो उससे हसीन लम्हें शायद ही हमारी जिंदगी में कोई दूसरे हों। लेट नाइट पार्टी करना, देर तक बात करना, आए दिन डिनर डेट या किसी स्पेशल मौके पर एक-दूसरे को हद से ज्यादा इम्पोर्टेंस देना। शादी होते ही इनमें से कई चीजों के मायने बहुत हद तक बदल जाते हैं, जिनके कारण पति-पत्नी के बीच सब कुछ पहले जैसा नहीं रहता।

मनमर्जी के काम

पार्टनर का चुनाव करना पूरी तरह से हम पर निर्भर करता है कि हम एक-दूसरे में किन बातों को देखकर या सोचकर सामने वाले से शादी करने का मन बनाते हैं। जहां कुछ कपल्स रिलेशन की शुरूआत से ही एक-दूसरे की राय या विचार-विमर्श करके कामों को करना पसंद करते हैं तो कइयों के बीच यह स्थिति नहीं होती। वह गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड तो हैं लेकिन उनके बीच एक-दूसरे की राय लेने जैसा कुछ नहीं है। यही जब शादी के बाद भी चलता रहता है तो इससे कपल्स के बीच बहस जैसे मुद्दे शुरू हो जाते हैं।

एक-दूसरे को समय न देना

लव मैरिज टूटने का एक कारण यह भी है कि पार्टनर्स पहले से एक-दूसरे की पसंद-नापसंद, अच्छा-बुरा सबकुछ जानते हैं। जहां कुछ जीवनसाथी इस बात का फायदा उठाकर अपने जीवन में रोमांस भरने का कोई मौका नहीं छोड़ते, तो वहीं कुछ लोग इस आदत से बहुत जल्दी बोर हो जाते हैं। ऐसे में जब उन्हें जाने-अनजाने में किसी और को जानने का मौका मिलता है तो उनका झुकाव उस व्यक्ति की तरफ बढ़ने लगता है। खैरए हम ऐसा बिलकुल नहीं कह रहे कि लव मैरिज वाले कपल्स के साथ ही ऐसा होता है। कभी-कभार अरेंज्ड मैरिज वाले लोग भी ऐसा करने में सबसे आगे होते हैं।

परिवार से न बनना

इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि सास-बहू के बीच की कड़वाहट का असर परिवार पर पड़ता ही है। ऐसे में जहां सास-बहू के बीच का तनाव बद से-बदतर होता है, तो उस स्थिति में पति-पत्नी के संबंध भी सही नहीं रहते। लव मैरिज के केस में यह मामले इसलिए भी हद से ज्यादा बढ़ जाते हैं,क्योंकि वहां सास-बहू के बीच की खटपट का ज्यादातर असर लड़के पर पड़ता है। यही एक कारण है कि अधिकतर पार्टनर्स पारिवारिक क्लेश की वजह से बाहर खुशी ढूंढ़ने लगते हैं।

अरेंज्ड मैरिज

ऐसा बिलकुल जरूरी नहीं है कि लव मैरिज करने वाले कपल्स के बीच ही ये समस्याएं पैदा हों, अक्सर अरेंज्ड मैरिज वाले कपल्स को भी इनसे बुरे हालातों का सामना करना पड़ता है। यह पूरी तरह हम पर निर्भर करता है कि हम अपनी शादी में कितना योगदान दे रहे हैं। बात चाहे लव मैरिज की हो या अरेंज्ड मैरिज की, जहां पति-पत्नी के बीच आपसी समझदारी होगी, वहां रिश्तों की बुनियादी दीवार को हिला पाना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है।

प्रेग्नेंसी के दौरान खाएं तुलसी

तुलसी एक ऐसी औषधि है, जिसके बारे में शायद ही कोई हो जो न जानता हो। तुसली का इस्तेमाल बीमारियों के इलाज में हजारों सालों से किया जा रहा है। इसलिए भारत में ज़्यादातर घरों में इसके पौधा हमेशा पाया जाएगा। तुलसी को चाय में डालकर पिएं या इसका काढ़ा बनाएं, ये हर लिहाज से फायदेमंद साबित होगी। माना जाता है कि तुलसी गर्भवती महिलाओं के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है। प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को अपने खानपान का खास ध्यान रखना होता है। ऐसी चीजें खाने से बचना होता है जिससे बच्चे को किसी तरह का नुकसान पहुंच सके। इसलिए तुलसी की सबसे अच्छी बात यही है कि ये पूरी तरह से सुरक्षित होती है। यानी इसके कोई साइड-इफेक्ट नहीं होते। गर्भावस्था में इसके नियमित सेवन से कई तरह के संक्रमण का खतरा कम हो जाता है। इसकी पत्तियों में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है। इसके अलावा ये रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी दुरुस्त रखने में सहायक है।

- तुलसी की पत्तियों में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। इससे मां और गर्भ में पल रहे बच्चे दोनों ही को संक्रमण होने का खतरा कम हो जाता है।
- तुलसी की पत्तियां मैग्नीशियम का अच्छा स्त्रोत होती हैं। ये बच्चों की हड्डियों के विकास के लिए बहुत जरूरी है। इसमें मौजूद मैगनीज टेंशन को कम करने का काम करता है।
- तुलसी की पत्तियों में हीलिंग गुण होते हैं। इसकी पत्तियां एंटी-बैक्टीरियल होने के साथ-साथ एंटी-वायरल और एंटी-फंगल गुणों से भरपूर होती हैं।
- रोजाना तुलसी की दो पत्तियां खाने से शरीर में खून की कमी नहीं होती। गर्भावस्था में ज्यादातर महिलाओं को एनिमिया की शिकायत हो जाती है। ऐसी महिलाओं को हर रोज तुलसी की दो पत्तियां खाने काफी फायदा मिल सकता है।
- तुलसी की पत्तियों में विटामिन-ए पाया जाता है, जो गर्भ में पल रहे शिशु के विकास के लिए बेहद जरूरी होता है।

चाय के मनमोहक बगान हैं कुर्ग की असली पहचान

भारत एक बहुत ही खूबसूरत देश है, यहां की खूबसूरती की बात ही निराली है। यहां के बहुत से स्थानों में तो जन्नत के दर्शन होते हैं। आज हम जिस जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, वो किसी जन्नत से कम नहीं है। इस जगह को अगर धरती का जन्नत कहा जाए तो गलत नहीं कहा जाएगा। नदी, झरने, पहाड़ और चाय के मनमोहक बगान ही यहां की असली पहचान हैं। अब आप भी जानना चाहेंगे इस जगह का नाम क्या है, भारत के किस जगह है ये खूबसूरत स्थान।

कुर्गः कुर्ग दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित है। नदी, झरने, पहाड़, संतरे के पेड़ और चाय के मनमोहक बगान कुर्ग की असली पहचान हैं। यहां की खूबसूरती देखते ही बनती है।

चाय और कॉफी के बागान : कुर्ग को चाय और कॉफी के बागानों के गढ़ कहा जाता है। कर्नाटक का छोटा सा जिला कॉफी का सबसे बड़ा उत्पादक है। कुर्ग की कॉफी पीने का अलग ही आनंद होता है। यहां की कॉफी बहुत ही बेहतरीन होती है।

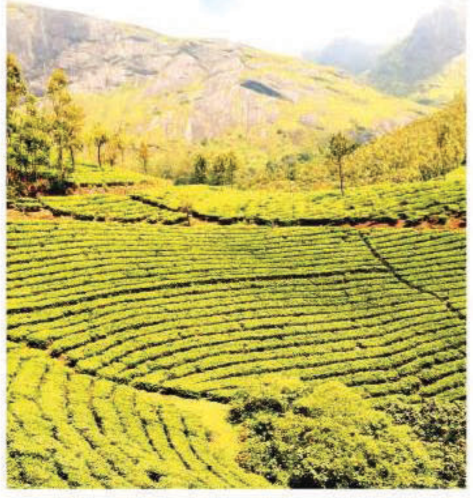

तिब्बती मठः तिब्बती मठ को स्वर्ण मंदिर के रूप में भी जाना जाता है। ये मठ तिब्बती लोगों की संस्कृति और इतिहास को दर्शाता है। सोने की मूर्तियों वाला ये मठ देखने में काफी आकर्षक है।

कुर्ग के मसाले: कुर्ग के मसाले खाने में बेहद ही स्वादिष्ट होते हैं। यहां के होममेड मसाले काफी मशहूर हैं।

झरने: कुर्ग में एक बेहद ही मशहूर झरना है, जिसका नाम अब्बे है। कॉफी बागानों के बीच में स्थित यह झरना यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करता है।

नागौरोले राष्ट्रीय उद्यान : नागौरोले राष्ट्रीय उद्यान देश के सबसे प्रसिद्ध वन्यजीव भंडारों में से एक है। वनस्पति और जीवों की विविधता इसके आकर्षण का प्रमुख कारण है।

दूध के हैं कई फायदे

सेहत के मामले में अपनी लाइफ को सेट करना है तो हर दिन दूध का सेवन जरूरी है। लेकिन एक ही चीज को एक ही रूप में हर रोज सेवन करते रहने से मन ऊब जाता है। आज हम आपके लिए इसी उलझन का समाधान लेकर आए हैं। आपको सिर्फ इतना करना है कि हर दिन अपने लिए एक अलग फ्लेवर में दूध को तैयार करना है।

नाश्ते में या सोने से पहले कभी भी लीजिए : आप चाहें तो आज से या फिर कल से मिल्क रुटीन की शुरुआत कर सकते हैं। यहां बताई गई सात अलग-अलग चीजों को अपने घर की रसोई में स्टोर करके रखना है। ताकि हर दिन एक नए फ्लेवर में टेस्टी और हेल्दी दूध तैयार किया जा सकें। यदि सुबह के समय आपके पास दूध पीने का समय नहीं होता है तो आप रात को सोने से पहले इन फ्लेवर्ड मिल्क का स्वाद ले सकते हैं। इससे आपको नींद भी अच्छी आएगी।

शुरुआत करते हैं मखाना से: मखाना कुछ मात्रा में विटमिन-डी और भरपूर मात्रा में आयरन का सोर्स होता है। वहीं दूध कैल्शियम से भरपूर होता है। दूध और विटमिन डी हड्डियों को मजबूती देता है तो आयरन शरीर में रक्त का प्रवाह बढ़ाता है। यानी दूध और मखाना दोनों के मेल से हमारा शरीर मजबूत बनता है।

हरी इलायचीः हरी इलायची युक्त एक गिलास दूध तैयार करने के लिए आपको सवा गिलास दूध चाहिए होगा। इस दूध को धीमी आंच पर गर्म होने के लिए रखें और इसमें एक हरी इलायची को पीसकर डाल दें। जब दूध पकते-पकते एक गिलास रह जाए तब इस दूध को उतारकर छान लें और इसमें अपने स्वाद के हिसाब से मीठा मिला लें। आपके लिए हेल्दी-टेस्टी और मदहोश करनेवाली सुंगध के साथ इलायची का दूध तैयार है।

शहद और दूधः अपने देश की बात छोड़िए पूरी दुनिया में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे शहद का स्वाद पसंद ना हो। शहद विटमिन्स, मिनरल्स और प्राकृतिक शुगर प्राप्त करने का एक शानदार विकल्प है। ध्यान रखें कि बहुत तेज गर्म दूध में शहद नहीं मिलाते हैं। ऐसा करने से शहद के गुणों पर विपरीत असर होता है। इसके साथ ही फ्रिज में रखे दूध में शहद नहीं मिलाते। क्योंकि इतने ठंडे दूध में शहद ठीक से घुल नहीं पाता है।

ड्राईफ्रूट्स मिल्कः काजू, बादाम, छुआरा इन तीनों चीजों को एक साथ मिक्सी में डालें। बेहतर होगा कि छुआरा आप रात को पानी में भिगोकर रखें और फिर सुबह ड्राईफ्रूट्स मिल्क तैयार करने में उनका उपयोग करें। नहीं तो आपक उनका बीज निकालकर भी उन्हें काजू और बादाम के साथ दूध में पीस सकते हैं। ध्यान रखें कि ड्राईफ्रूट्स मिल्क तैयार करते समय उसमें किशमिश, मुनक्का और पिस्ता जैसे ड्राईफ्रूट्स का उपयोग नहीं करना चाहिए। क्योंकि किशमिश और मुनक्का में कुछ खट्टापन होता है, जो दूध का विरोधी गुण हैं। साथ ही पिस्ता तैयार करने में नमक का उपयोग किया जाता है, जो दूध के साथ सेवन करने पर नुकसान करता है।

हल्दी और दूधः हल्दी वाला दूध यानी गोल्डन मिल्क। यदि नियमित रूप से आप हल्दी मिले दूध का सेवन करते हैं तो एक गिलास दूध में एक-चौथाई से अधिक हल्दी का उपयोग ना करें। साथ ही हल्दी का दूध तैयार करते समय दूध को गर्म जरूर करें और घूंट-घूंट करके गर्म दूध का ही सेव करें।

प्लेन दूध और गुड़ः दूध पीने का यह सदियों पुराना तरीका है। क्योंकि संभवतः गुड़ ही इंसान द्वारा तैयार की जानेवाली सबसे पहले मिठाई है। गर्म दूध के साथ गुड़ का सेवन करना एक अलग तरह की संतुष्टि देता है। गुड़ और दूध दोनों के गुण मिलकर हमारी सेहत को मजबूत बनाए रखने के काम करते हैं।

क्या शरीर में है पोषण तत्वों की कमी?

कभी-कभी ऐसा होता है कि सुबह उठते ही हमारे शरीर में बिना किसी वजह के दर्द होने लगता है या हम पूरे दिन थकान का अनुभव करते हैं। इस समस्या का सबसे बड़ा कारण होता है शरीर में पोषण तत्वों की कमी होना। ऐसे में इन परेशानियों से मुक्ति पाने के लिए आपको पोषक देने वाले खाद्य पदार्थों के बारे में जान लेना चाहिए।

प्रोटीनः शरीर के ऊतकों को बनाने, उनके रख-रखाव व मरम्मत में प्रोटीन की जरूरत होती है। दूध, सोयाबीन, अंडा, दाल, दूध व मांस में प्रोटीन होता है।

कैल्शियम : हड्डियों और दांतों के अलावा मांसपेशियों और हृदय को ठीक रखता है। बढ़ते बच्चों के लिए जरूरी है। दूध, दही, पनीर, टोफू, पालक, ब्रोकली, में खूब सोयाबीन होता है।

फाइबर : पाचन तंत्र को ठीक रखना है तो फाइबर युक्त चीजें खाएं। इसके लिए सेब, नाशपाती, ओट्स, साबुत अनाज व सूखे मेवे खाएं।

आयरन : शरीर में खून बनाने और सब अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचाने का काम आयरन का होता है। साबुत अनाज, बींस, मेवे,अनार, चुकंदर और हरी पत्तेदार सब्जियों में यह पर्याप्त होता है।

- हरी सब्जियों को कम तेल मसालों में बनाएं। ज्यादा देर भूनने या पकाने से बचें।
- नाश्ते में हमेशा ब्रेड, मक्खन और पराठे ही न खाएं। रोटी, सब्जी, दलिया, दही, अंकुरित अनाज आदि का सेवन भी करें। इससे शरीर को पर्याप्त पोषण मिलेगा।
- सब्जियों को उबालने के बाद उस पानी को भी इस्तेमाल में लाएं। उबालते समय सब्जियों के 5 से 55 प्रतिशत तक पौष्टिक तत्व पानी में घुल जाते हैं।
- अगर नाश्ता करने का समय नहीं है तो मुट्ठीभर अखरोट, बादाम और काजू जरूर खाएं। ताजे फल व सब्जियों का सेवन करें।

बाल कहानी

शरारती बच्ची

दूध पीती बच्ची नहीं है। वह अपने शू लेस तक बांधना सीख गई है और स्कूल ड्रेस बदलना भी। उससे काम करवाते समय सब बहुत मीठा बोलने लगते हैं कि तुम बड़ी हो गई हो।

मोनिका किसी से बात नहीं करेगी। वह गुस्से में है। मम्मी ने उसके हाथ से अपना मोबाइल छीन लिया। कहा, दिनभर गेम खेलती रहोगी, तो आंखें खराब हो जाएंगी। उससे पहले भैया ने टीवी नहीं देखने दिया। पोगो देख रही थी, उसने आकर फुटबॉल मैच लगा लिया। कोई कुछ नहीं समझता। मोनिका अब तीसरी कलास में पहुंच गई है। आठ साल की है। दूध पीती बच्ची नहीं है। वह अपने शू लेस तक बांधना सीख गई है और स्कूल ड्रेस बदलना भी। उससे काम करवाते समय सब बहुत मीठा बोलने लगते हैं कि तुम बड़ी हो गई हो, लेकिन जब उसका अपना मन हो, तो सब याद दिलाने लगते हैं कि वह तो छोटी बच्ची है। मोनिका ने तय किया, उसे किसी की जरूरत नहीं है। घर छोड़कर निकल जाएगी। अभी हाल ही में तो टीवी पर वह फिल्म आई थी। जिसमें एक छोटी सी बच्ची अकेले ही सारी सड़कें पार कर जाती है। वह एक चिंपांजी तक के पिंजरे में चली जाती है, कोई कुछ नहीं बोलता। वह बच्ची तो चलना भी नहीं जानती थी। मोनिका फ्लैट से निकल गई मोना। लेकिन अपार्टमेंट के गेट से पहले रुक गई। गार्ड अंकल बैठे हुए हैं। दो बार पहले भी उसको बाहर जाने से रोक चुके हैं। गार्ड अंकल भी गंदे हैं। दिनभर ऊंघते रहते हैं। एक-दो बार बाहर के डॉगी भी सोसाइटी में चले आए, लेकिन उनको पता नहीं चला, लेकिन मोनिका जैसे बाहर निकलेगी, उनकी आंख खुल जाएंगी। बोलेंगे, कहां जा रही है, कहां जा रही है।मोनिका को देखकर गार्ड अंकल खड़े हो गए। लो, इधर ही आ रहे हैं। क्या करे मोनिका? अरे वाह, गार्ड अंकल तो दूसरी तरफचले गए। अच्छा मौका है। बस, साथ निकल चलो।अब मोनिका सड़क पर है। एकदम बेफिक्र।

मोनिका दौड़ने लगी। दौड़ते-दौड़ते मोड़ तक पहुंच गई। यहां से मुड़ जाए, तो सोसाइटी वाले देख तक नहीं पाएंगे। अब वह बड़ी सड़क पर आ गई। यह रास्ता उसका देखा हुआ है। मम्मी-पापा के साथ हमेशा इसी रास्ते से निकलती है, लेकिन कार से। पहली बार पैदल यहां तक आई है। यह रास्ता वही है, जिससे रोज आती-जाती है? अब उसे डर लगने लगा। वह क्या करे? लौट जाए? उसने चारों तरफदेखा। उसे मोड़ पर साइकिल की दुकान दिखी। याद आया, पापा एक बार उसकी साइकिल में हवा भरवाने इसी दुकान तक आए थे, लेकिन वह कुछ समझ नहीं पा रही थी कि क्या करे? वह रोंआसी हो चली थी। तभी एक पुलिस अंकल को उसने देखा। वह और डर गई। उसने जोर-जोर से रोना शुरू कर दिया। उसे रोता देख पुलिस अंकल की नजर उस पर पड़ी। अरे, यह छोटी बच्ची किसकी है भाई?जवाब किसी ने नहीं दिया, लेकिन जमा कई लोग हो गए। कैसे मां-बाप हैं, बेटी को छोड़कर बाजार गए हैं।

पुलिस अंकल कुछ चिड़चिड़ेपन से बोल रहे थे। मोनिका और डर गई। वह और जोर से रोने लगी। अरे, रोओ मत, रोओ मत। पुलिस अंकल की आवाज कुछ मुलायम हो गई, कहां हैं तुम्हारे मम्मी-पापा? मोनिका हिचकियां ही लेती रही। देखिए भाई, पता कीजिए, आसपास की दुकान में लोग सामान चुनने में लगे रहेंगे और बच्चों को भूल जाएंगे। वह अब दूसरों से बोल रहे थे। तब तक एक आंटी सामने आईं, अरे, इसको तो मैं जानती हूं। सिन्हाजी की बच्ची है। मोनिका की हिचकियां कुछ थमीं, यह आंटी पापा को जानती हैं? उस आंटी ने आकर उसका हाथ पकड़ा, चलो-चलो, मैं तुम्हें पहुंचा देती हूं घर। लेकिन पुलिस अंकल इसके लिए तैयार नहीं थे, रुकिए-रुकिए, अब यह पुलिस केस हो गया है। मेरे कहे बिना कोई कहीं नहीं जाएगा। पुलिस अंकल ने अब उससे पूछा, तुम जानती हो इनको? मोनिका ने ना में सिर हिलाया। सब जैसे आंटीजी पर चिल्लाने लगे। किसी ने कहा, यह बच्चा चोर गैंग से तो नहीं। अब आंटी रोंआसी हो गईं, मैं प्रभा सोसाइटी में रहती हूं। यह देखो मेरी कार, मेरा ड्राइविंग लाइसेंस। अरे, यह मेरे बगल वाली सोसाइटी में रहती है। आप लोग मुझे चोर-चोर मत कहिए। प्लीज। और ठीक है, मैं बच्ची को नहीं ले जाती, लेकिन इसको ठीक से पहुंचा दीजिए। बस, इस मोड़ के आखिर में सपना सोसाइटी में रहती है। पुलिस अंकल ने रोकने की कोशिश की, लेकिन आंटी रुकी नहीं। पुलिस अंकल ने मोनिका से पूछा, तुम सपना सोसाइटी में रहती हो?अब तक सुबक रही मोनिका ने हां में सिर हिलाया। सिपाही अंकल ने अपनी साइकिल निकाली, बैठो। दो मिनट बाद मोनिका अपनी सोसाइटी के सामने खड़ी थी। यहीं घर है तुम्हारा? पुलिस अंकल ने पूछा। मोनिका ने सिर हिलाया।चलो, पहुंचा दूं। मोनिका का मुंह पहली बार खुला, नहीं, मैं चली जाऊंगी अंकल। जाओ और आगे से कभी अकेली मत निकलना। याद है, वह बच्चा चोर, वह ले जाती तो? मोनिका ने फिर सिर हिलाया। मोनिका कसम खा रही थी, आगे से कभी अकेली घर से नहीं निकलेगी।

खास खबर...

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा अवैध मिठाई कारखाना में दी गई दबिश

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर राजनांदगांव शहर के कुआं चौक नंदई में अवैध रूप से संचालित मिठाई एवं सोनपापड़ी निर्माता कारखाना में दबिश दी गई। इस दौरान फर्म में व्यापक अनियमितता तथा साफ-सफाई व दस्तावेजों का अभाव पाया गया। जांच के दौरान फर्म में वैध खाद्य लायसेंस भी नहीं पाया गया। अव्यवस्थाओं के बीच निर्माण किए जा रहे सोनपापड़ी, नारियल मैसूर पाक, तेल, मैदा सहित अन्य खाद्य सामग्री जप्त कर गुणवत्ता परीक्षण हेतु सेंपल लिया गया। लगभग 67 हजार रूपए मूल्य की लूस सोनपापड़ी, नारियल मैसूर पाक को सीज कर अभिगृहित किया गया है। कारखाने में निर्माण एवं भंडारित किए जा रहे खाद्य सामग्री को जो संभवत: आगामी रक्षाबंधन त्यौहार में विक्रय करने की तैयारी थी, किंतु विभाग की कार्रवाई से यह योजना पूरी नहीं हो पायी। फर्म के संचालक को वैध दस्तावेज, उचित साफ-सफाई एवं गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री का नियमानुसार व्यापार करने के कड़े निर्देश दिए हैं। फर्म के संचालक द्वारा स्वमेव आगामी कार्रवाई तक निर्माण बंद कर दिया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले के सभी खाद्य कारोबारियों को वैध दस्तावजों के साथ गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री का व्यापार करने की अपील की है।

कारगिल युद्ध में भारत की विजय के कर्णधार सैन्य सेना की वीरता को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने किया नमन

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

कॉन्फ्लूएंस कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, विस्तार गतिविधि एवं भूतपूर्व सैनिक कल्याण संगठन राजनांदगांव के संयुक्त तत्वाधान में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर गौरव स्थल में शहीदों को नमन करके वीरता को दी श्रद्धांजलि द्य प्रो. विजय मानिकपुरी कार्यक्रम अधिकारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि युद्ध में सम्मिलित रहे राजनांदगांव जिले के सैनिक ऑनरी कैप्टन आर.के.एस. भारद्वाज, मास्टर वारंट अफसर एम. आर.डड़सेना के मुख्य आतिथ्य में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से युद्ध में सम्मिलित रहे सैनिकों का सम्मान किया गया और जिन्होंने वीरगति प्राप्त की उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई द्य कारगिल विजय दिवस हमें याद दिलाता है कि हमारी सेना ने कितनी वीरता से हमारे देश की रक्षा की है और यह दिन हमारे सैनिकों के अदम्य,साहस और शौर्य का प्रतीक है आज विद्यार्थियों ने 26 जुलाई 1999 को शहीद हुए सेना के तमाम जवानों और अधिकारियों के बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दिए द्य प्राचार्य डॉ. रचना पांडे ने कहा भारत संस्कृति,क्षमा और साहस की भूमि है। यह देश और इसका इतिहास दुनिया के लिए उल्लेखनीय और प्रेरणादायक है। भारतीय सबसे कठिन दृश्यों से गुज़रे हैं और फिर भी अपना गौरव बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। हमारे सैनिकों ने कई लड़ाइयां लड़ी हैं और उनमें जीत हासिल की है।' ऐसा ही एक यादगार युद्ध है कारगिल। इस भूमि को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय सैनिकों के बलिदान को नमन आज राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थीयो अपनी देश भक्ती और देश के प्रति एकता का परिचय देते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया जो आज के युवा पीढ़ीयो के लिए आवश्यक हैं द्य महाविद्यालय के डायरेक्टर आशीष अग्रवाल,संजय अग्रवाल एवं डॉ. मनीष जैन ने संयुक्त रूप से कहा

आज के दिन, हम उन शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने हमें आजादी का सुख दिया। जिसके बदौलत देश गौरव का अहसास कर रहा है द्य आयोजन में पूर्व सांसद मधुसूदन यादव, महापौर श्रीमती हेमा देशमुख , सैनिक कल्याण संगठन के अध्यक्ष सूबेदार मेजर (से.नि.) राजेश शर्मा , सूबेदार जॉन लिविंग्स्टोन ने अपने-अपने अनुभव साझा किया और देशभक्ति का जज्बा जगाया द्य कार्यक्रम में राजनांदगांव जिले के पूर्व सैनिको की उपस्थिति युवाओ में जुनून पैदा कर रहा था द्यआयोजन में महाविद्यालय के एन.एस. एस.विद्यार्थी तथा स्कूल, कॉलेज, सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता सहित आम नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

मवेशी धर-पकड अभियान जारी

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

घुमंतु मवेशियों की धर पकड के तहत नगर निगम की टीम शहर के प्रमुख चौक चौराहो में घुमन्तु एवं बैठे मवेशियों को प्रतिदिन पकड़ने की कार्यवाही कर रही है। इसी कडी में आज शहर के प्रमुख मार्गो व चौक चौराहो से 12 घुमन्तु मवेशियों की धर-पकड की गयी। उल्लेखनीय है कि कई पशु मालिकों द्वारा अपने मवेशियों को खुला छोड देते है, जिससे मवेशी चौक चौराहों में घुमते एवं बैठे रहते है, जिससे यातायात बाधित होती है एवं दुर्घटना की संभावना बनी रहती है, जो आमजनों के साथ ही पशुओ के लिये भी खतरनाक है। इस संबंध में जिलाधीश महोदय श्री संजय अग्रवाल ने निर्देश दिये थे और आज कलेक्टर द्वारा निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता तथा उपायुक्त श्री मोबिन अली, कार्यपालन अभियंता श्री यू.के.रामटेके व स्वास्थ्य अधिकारी श्री राजेश मिश्रा के साथ मवेशी धरपकड अभियान का जायजा लिया गया। नगर निगम आयुक्त श्री गुप्ता ने घुमन्तु मवेशियों को पकड़ने टीम गठित किये है, गठित टीम चौक चौराहो से घुमन्तु मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही कर रही है। इसी कडी में आज प्रमुख मार्गो व चौक चौराहो नंदई, कुँआ चौक, इंदिरा नगर, कमला कालेज चौक, रामकृष्ण नगर तथा हाईवे रोड से घुमन्तु मवेशियों की धर-पकड के तहत 12 घुमन्तु एवं बैठे मवेशियों को पकड़ा गया।

परिसीमन के आदेश से जनता के हितों का हनन हो रहा था, याचिका पर हाई कोर्ट ने दिया स्टे: कुलबीर छाबड़ा

- छग की पहली याचिका राजनांदगांव में कुलबीर ने लगाई
- प्रेस वार्ता में कहा - जनगणना नहीं हुई तो बार बार परिसीमन का कोई औचित्य नहीं

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

साल के अंतिम माह नवंबर-दिसंबर 2024 में होने वाले नगरीय निकाय का चुनाव को लेकर शासन-प्रशासन द्वारा 2011 जनगणना को आधार मानकर नगरीय निकायों के वार्डों का परिसीमन कराया जा रहा है जो हर पहलू से न्यायसंगत उचित नहीं लगा और सत्ता सरकार अपने लोगों को लाभ दिलाने के उद्देश्य परिसीमन कराया जा रहा है जो जनहित की दृष्टि में उचित नहीं है। जिसको लेकर वरिष्ठ पार्षद कुलबीर सिंह छाबड़ा द्वारा परिसीमन के विरोध में उच्च न्यायालय में याचिका दायर की जिस पर उच्च न्यायालय द्वारा मेरी याचिका पर स्टे दिया गया है।

इस संबंध में नगर निगम के वरिष्ठ पार्षद कुलबीर सिंह छाबड़ा ने प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि नगरीय निकाय के निर्वाचन प्रक्रिया में परिसीमन का आदेश शासन द्वारा निकाले जाने से जनता के हितों का हनन हो रहा था। जिस पर मेरे द्वारा आपत्ति दर्ज कर माननीय उच्च न्यायालय के शरण में जाना पड़ा। मेरी याचिका क्रमांक डब्ल्यूपीसी 3693/2024 के विद्वान वकील रत्नेश अग्रवाल ने की हैं। श्री छाबड़ा ने आगे कहा कि 2011 में हुई जनगणना के अनुसार जनसंख्या राजनांदगांव शहर की 1,63,114 है। 2014 के नगरीय निकाय चुनाव में परिसीमन हुआ फिर 2019 के नगरीय निकाय चुनाव में परिसीमन हुआ। 2021 में जनगणना होनी थी जो कि नहीं हुई है। श्री छाबड़ा ने सत्ता पक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि 2024 वर्तमान में फिर से परिसीमन प्रक्रिया की जा रही है, जब वार्ड 51 है और इन्हीं 51 वार्डों में 1,63,114 की जनसंख्या के आंकड़े को घूमाकर वार्ड के क्षेत्रों को बार-बार बदला जा रहा है, जो कि उचित नहीं है। जब 2011 के बाद जनगणना नहीं हुई है इसलिए वार्ड के विस्तार सुधार के लिए जारी निर्देश के बावजूद जनसंख्या का कोई नया आंकड़ा नहीं है। इस कारण वार्ड का पुर्नगठन किया जाता है तो आरक्षण भी प्रभावित होगा और शहर के प्रत्येक नागरिकों को वार्ड क्रमांक और क्षेत्र बदलने के कारण वार्ड नं. एवं अपने निवास की जानकारी के लिए फिर से आधार कार्ड, राशन कार्ड, पासपोर्ट और संबंधित सभी उपयोग में होने वाले दस्तावेजों में सुधारने के लिए फिर से जनता को नया आधार कार्ड, राशन कार्ड बनवाना पड़ेगा, जिससे शारीरिक, आर्थिक और मानसिक परेशानी होगी। ये सब स्थितियां जनहित के दृष्टि में उचित नहीं थी और नियमानुसार भी नहीं है। इस कारण मेरे द्वारा माननीय उच्च न्यायालय की शरण में न्याय में जाना पड़ा जिस पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा संज्ञान लेते हुए मेरे अंतरिम राहत के आवेदन को स्वीकार किया है तथा प्रतिवादियों (शासन) को निर्देश दिया है कि इस विषय पर निगम के वार्डों संख्या और सीमा के निर्धारण के संबंध में अंतिम सूची राजपत्र अधिसूचना अगली सुनवाई तक प्रकाशित नहीं किया जाएगा। प्रेसवार्ता में प्रमुख रूप से महापौर हेमा देशमुख, वरिष्ठ कांग्रेसी कमलजीत सिंह पिन्टू, श्रीकिशन खंडेलवाल, रूपेश दुबे, मेहुल मारू, ब्लॉक अध्यक्ष द्वय आसिफ अली, सूर्यकांत जैन, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष मोहम्मद यहया, महामंत्री हनी ग्रेवाल उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजनांतर्गत किसानों की बीमा आवरण की समीक्षा

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

कलेक्टरसंजय अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजनांतर्गत खरीफ 2024 अऋणी कृषकों की बीमा आवरण की समीक्षा बैठक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक राजनांदगांव के सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बताया गया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजनांतर्गत किसानों द्वारा बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 है। उन्होंने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को अधिक से अधिक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा बीमा कराने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने कहा। उन्होंने गांव का पानी गांव में, खेत का पानी खेत में रोकने के लिए कार्य करने कहा। उन्होंने रबी फसल में किसानों को धान के बदले अन्य कम पानी उपयोग वाली फसलों के उत्पादन के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने कहा। उन्होंने गांवों में निर्मित तालाब एवं डबरी में मछलीपालन करने के लिए किसानों को सलाह देने कहा। बैठक में लोक सेवा केन्द्र नई दिल्ली से केन्द्रीय स्तर के अधिकारी श्री पुष्पेन्द्र कुमार एवं राज्य स्तर के लोक सेवा केन्द्र अधिकारी श्री जयनारायण पटेल विशेष रूप से उपस्थित थे। इस दौरान कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को राष्ट्रीय जल मिशन अंतर्गत पानी बचाने एवं जल का समुचित उपयोग करने की शपथ दिलाई।

स्कूल में शिक्षा के अलावा मिलता है संस्कार-कलेक्टर

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के चार वर्ष होने के अवसर पर जिले के सभी विद्यालयों में शिक्षा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल आज डोंगरगढ़ विकासखंड के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल पारागांवखुर्द में आयोजित शिक्षा सप्ताह के छठें दिन मिशन लाइफ एवं इको क्लब दिवस के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अग्रवाल ने स्कूल परिसर में पौधरोपण और स्कूल परिसर का अवलोकन भी किया। उन्होंने भौतिक, जीव विज्ञान, रसायन प्रयोगशाला, स्मॉर्ट क्लास का अवलोकन किया। उन्होंने स्कूल परिसर में साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्था की तारीफ की।

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि स्कूल हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जितना समय घर पर रहते है, उतना ही समय हम स्कूल रहते हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल हमारा दूसरा घर है। जिस तरह से घर में अच्छा कार्य करते हैं, उसी तरह से स्कूल को भी घर मानकर बच्चे एवं शिक्षकों को हमेशा स्वच्छ और ग्रीन रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूल को जितना व्यवस्थित एवं हराभरा कर सकते हो उतना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूल में केवल अध्ययन एवं अध्यापन कार्य नहीं होता है, स्कूल से हमें संस्कार मिलता है। स्कूल से बच्चे संस्कार और ज्ञान की बातें सिखते हैं। बच्चे शिक्षकों, दोस्तों एवं अच्छे कार्य करने वाले व्यक्तियों से सिखते हैं। सिखने की कोई आयु नहीं होती है। जो बाते स्कूल में सिखी जाती है, वे पूरे जीवन में काम आती है। उन्होंने कहा कि स्कूल विद्यार्थी और शिक्षक से नहीं बनता है। स्कूल गांव के लोगों से मिलकर बनता है। उन्होंने कहा कि गांव के नागरिकों एवं बच्चों के अभिभावकों का स्कूल से लगाव होना चाहिए। गांव के लोगों का स्कूल में भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जिले में डिजिटल पढ़ाई कराने के लिए जनभागीदारी के सहयोग से सभी स्कूलों में संपर्क डिवाईस दिया गया है। जिससे बच्चों की पढ़ाई का स्तर बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता और शाला विकास समितियों के सहयोग से स्कूल की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा किया जा सकता है।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के 4 वर्ष पूर्ण होने पर शिक्षा सप्ताह के छठा दिन मिशन लाइफ एवं इको क्लब दिवस है। यह बहुत अच्छा विषय है। उन्होंने बच्चों से कहा कि स्कूल से पासआउट होने के बाद भी इस विषय का जीवन में वास्ता रहेगा। ग्रीन और इको हमारे साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि स्कूल परिसर बहुत सुंदर जगह पर है। इसका महत्व समझने कहा। उन्होंने कहा कि बिना ऑक्सीजन और बिना पानी के दुनिया की कल्पना करना कठिन है। उन्होंने जल संरक्षण की बात कही। उन्होंने कहा कि भू-जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। उसे बचाने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने सभी बच्चों से कहा कि घर में अपने अभिभावकों को रबी में धान की फसल नहीं लेना कहा है। जिले में गर्मी के मौसम में 42 हजार ट्यूबवेल के उपयोग के कारण इस वर्ष 60 फीट पानी नीचे चला गया है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी तक पानी नहीं मिल पाएगा। इसके लिए पेड़ों को नहीं काटने देना है और पौधरोपण अधिक से अधिक करना है।

''उल्लास'' नवभारत साक्षरता कार्यक्रम समीक्षा बैठक संपन्न

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने जिला पंचायत सभाकक्ष में जिले में संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की समीक्षा की। सीईओ जिला पंचायत ने असाक्षरों व स्वयं सेवी शिक्षकों के चिन्हांकन एक सप्ताह के भीतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वयं सेवी शिक्षकों के पंजीयन, असाक्षरों का पंजीयन सर्वे एवं पोर्टल में एंट्री के कार्य में गति लाते हुए माह के अंत तक सर्वे एवं डाटा एंट्री का कार्य पूर्ण करने निर्देशित किया। साथ ही उल्लास कार्यकम के लिए माहौल तैयार करने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करने कहा। सुश्री सुरूचि सिंह ने सभी जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से असाक्षरों व स्वयं सेवी शिक्षकों के चिन्हांकन में ग्राम पंचायत सचिव, प्रधान पाठक के साथ समन्वय करने तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका असाक्षरों व स्वयं सेवी शिक्षकों के चिन्हांकन में सहयोग करने के निर्देश दिए। बैठक में शिक्षार्थी व स्वयंसेवी शिक्षकों का चिन्हांकन एवं डाटा एंट्री तथा सितंबर 2024 व मार्च 2025 में आयोजित होने वाले मूल्यांकन आकलन परीक्षा की तैयारी की समीक्षा की गई। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उल्लास शपथ दिलाई। सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने विद्यालयों में संपर्क कर कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं तक अध्यनरत विद्यार्थियों को स्वयं सेवी शिक्षक के रूप में पंजीयन करने के लिए प्रोत्साहित करने कहा। उन्होंने बताया कि 10 असाक्षरों को साक्षर करने पर बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थियों को 10 अंक बोनस दिया जाएगा। उन्होंने इसका प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को स्वयंसेवी शिक्षक के रूप में पंजीयन करने प्रोत्साहित करने और संबंधित प्रचार्य व ग्राम प्रभारी को सहयोग प्रदान करने कहा। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश एवं संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य के अनुसार 2030 तक सभी युवा प्रौढ़ पुरूष एवं महिलाओं को शत-प्रतिशत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान प्रदान करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत अनुशंसा एवं भारत सरकार द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम सभी के लिए शिक्षा हेतु प्रारंभ की गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक उम्र के असाक्षरों को शत-प्रतिशत साक्षर किए जाने का लक्ष्य है। एपीसी समग्र शिक्षा श्री आदर्श वासनिक, एपीसी समग्र शिक्षा श्री प्रणिता शर्मा, सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सभी स्त्रोत समन्वयक, साक्षरता कार्यक्रम प्रभारी, बीपीएम आजीविका मिशन, संकुल समन्वयक, विकासखंड राजनांदगांव के स्कूलों के प्रधान पाठक उपस्थित थे। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जुड़े रहे।

जनसमस्या निवारण पखवाड़ा - आज मोतीपुर में हुआ शुभारंभ

श्रमबिन्दु / राजनांदगांव

नागरिकों की समस्याओं का निराकरण के लिये शासन निर्देशानुसार 27 जुलाई से 10 अगस्त 2024 के मध्य जन समस्या निवारण पखवाड़ा का आयोजन निगम सीमाक्षेत्र में किया गया है, आज शिविर के पहले दिन मोतीपुर सामुदायिक भवन में वार्ड नं. 1,2,3,4 व 8 के लिये शिविर आयोजित किया गया, जिसमें वार्डवासियों ने राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास के अलावा पेयजल, विद्युत, सफाई आदि के संबंध में आवेदन दिये। बारिश के कारण कुछ वार्डो के शिविर स्थल में परिवर्तन किया गया है।

आज मोतीपुर में आयोजित शिविर का जायजा लेकर निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता ने बताया कि शासन द्वारा नागरिकों के समस्याओं का त्वरित निराकरण के लिये जन समस्या निवारण पखवाड़ा 27 जुलाई से 10 अगस्त तक आयोजन करने निर्देश दिये गये है, निर्देशानुसार निगम सीमाक्षेत्र के वार्डो में उपायुक्त व नोडल अधिकारी श्री मोबिन अली के नेतृत्व में शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत आज मोतीपुर सामुदायिक भवन में वार्ड नं. 1,2,3,4 व 8 के लिये आयोजित शिविर में पार्षदों की उपस्थिति में वार्डवासी प्रधानमंत्री आवास, राशन कार्ड सहित पेयजल, सफाई, विद्युत तथा निर्माण संबंधी आवेदन दिये, जिसका अतिशीघ्र निराकरण किया जायेगा। शंकरपुर स्कूल में वार्ड नं. 7,8,9 व 10 के लिये प्रात: 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक शिविर आयोजित किये जायेगे।

कोंटावासियों को फिर एक बार सताने लगा बैक वॉटर का खतरा

श्रमबिन्दु / शहनवाज खान

कोंटा। जिले में लगातार हो रहीं भारी बारिश के बाद गोदावरी नदी का जलस्तर देख कोंटावासियों की नज़र शबरी नदी की ओर हैं। शबरी नदी का जलस्तर भी बढ़ता देख बैक वॉटर का डर सताने लगा हैं। एक तरफ डोंकराई डैम के 05 गेट को खोला गया जिसका पानी सीधे सीलेर नदी के माध्यम से शबरी नदी फिर गोदावरी में आएगा। गोदावरी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा आंध्र प्रदेश के अधिकारियों ने लिखित जानकारी देते हुए कहा कि देर रात तक पानी बढ़ने का अनुमान हैं खबर लिखते तक गोदावरी नदी का जलस्तर 53.4 फिट तो शबरी नदी का जलस्तर 13.4 फिट पानी रहा। कोंटा से आगे एनएच 30 हैदराबाद-विजयवाड़ा की ओर जाने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग में

लगभग 1.5 किलोमीटर सड़क पर पानी आ गया हैं जिसके चलते 2 किलोमीटर लंबा जाम लग गया हैं। शबरी नदी में सहायक नदी शारदापुट और तालनार नदी का पानी आने के बाद शबरी नदी का जलस्तर तेज गति से बढ़ रहा है।

कई बार बैक वॉटर का दंश झेला हैं कोंटा

साल 2022 में नदी का रौद्र रूप देखने को मिला था गोदावरी अपने हाई लेवल 71 फिट पर बह रही थी तो वही शबरी नदी 22 फिट पर थी जिसके चलते कोंटा नगर पंचायत के सात वार्डों में लबालब पानी एक सप्ताह तक भरा रहा। आसपास के 9 गांव भी बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। लोगों ने तब कहा था, सन 1986 में ऐसी स्थिति देखने को मिली थी जिसके बाद हमने 2022 को ऐसा मंजर देखा था। 2006 में भी बाढ़ आया लेकिन 3 दिनों में नगर से पानी निकल गया था। अब फिर वही हालत बन रहे हैं क्योंकि फिर शबरी पानी का बहाव धीमा हो गया और तेजी से बढ़ रहा है बैक वॉटर फिर से फैल रहा हैं और नगर की ओर बड़ रहा हैं इसलिए डर लग रहा हैं। क्योंकि यही महीना का वो दिन 15 तारीख था।

कलेक्टर ने की आम नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील

जिले में बीते 10 दिनों से हो रही लगातार बारिश से नदी के जल स्तर में लगातार बढ़ोत्तरी को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर हरिस. एस ने शबरी नदी तट के सभी गांव के लोगों को सतर्क रहने की अपील की और जल्द से जल्द खतरा को देखते हुए बस्ती खाली करने के निर्देश दिए। जिससे की इस दौरान किसी भी प्रकार की जन-धन की हानि की रोकथाम सुनिश्चित हो सके।

सावन की शिवरात्रि में पार्थिव शिवलिंग बनाकर जल चढ़ाने से प्राप्त होंगे शिवः पं मिश्रा

श्रमबिन्दु / भिलाई

भिलाई के जयंती स्टेडियम में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवमहापुराण के दूसरे दिन भी इंद्रदेव की कृपा से बादल बरसते रहे। बरसात में शिवभक्तों की परीक्षा हुई जिसमें हजारों-लाखों की संख्या में शिव भक्त परीक्षा पास करते हुए पंडित प्रदीप मिश्रा के श्रीमुख से कथा सुनने पहुंचे। दूसरे दिन भी दूर-दूर से भक्त शिवमहापुराण श्रवण करने पहुंचे। भक्तों में गजब का उत्साह देखने को मिला। अंतराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने दूसरे दिन 26 जुलाई शुक्रवार को त्रेता युग में देवकुल नगर के राजा वीरमणि और उनके पुत्र रुक्मांगद की शिवभक्ति और भगवान राम से युद्ध की कथा सुनाई।

उन्होंने कथा के अंत में अगली कथा की जानकारी देते हुए बताया कि 2 अगस्त से 8 अगस्त तक मुंगेली जिले के लोरमी में गायत्री मंदिर के पीछे दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक शिवमहापुराण की कथा होगी। वहीं से सावन की शिवरात्रि 2 अगस्त के दिन शाम 7 बजे से लाइव पूजा होगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय आज शिवमहापुराण कथा में शामिल हुई।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने व्यासपीठ से कौशल्या साय के लिए कहा प्रत्येक कथा में जैसा समय अनुकूल हो वैसे कौशल्या जी कथा में पहुंचती है और प्रेरणा देती है की कितने भी ऊंचे पद में हो पर भगवान की भक्ति को कभी न भूले, उनका जोरदार स्वागत और अभिनन्दन करें। पंडित प्रदीप मिश्रा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के लिए कहा कि मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री होने के पहले भी राष्ट्र सेवा से वे अपना थोड़ा-थोड़ा समय जरुर भगवान की भक्ति के लिए निकालते है। एक बार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के लिए भी जोरदार तालियां हो जाए। पंडित प्रदीप मिश्रा ने व्यास पीठ से आयोजक बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह को कहा कि यहां इससे पहले हमारे सिहोर में गुरु पूर्णिमा की कथा थी, वहां इतना पानी गिर रहा था की लोगों को उठ बीच में जाना पड़ रहा था। सावन में शिव जी ने भिलाई वासियों पर ऐसी कृपा की है कि यहां तो सब व्यवस्थित बैठे है। आपने जो इतने सालों से शिव जी की पालकी यात्रा, बाबा की बारात निकाली है शायद ये उसी का फल है।

गैर संकार्य विभागों के कार्मिकों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से किया सम्मानित

श्रमबिन्दु / रिसाली

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा ऐसे कार्मिक जो कार्यस्थल में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग, संगठनात्मक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए तकनीकी/प्रक्रियात्मक अनुशासन का पालन करने में असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते है, उनको प्रेरित करने और पहचान देने के लिए प्रतिमाह ''कर्म शिरोमणि पुरस्कार'' से सम्मानित किया जाता है।

इसी क्रम में माह मार्च 2024, अप्रैल 2024 एवं मई 2024 के लिए वित्त एवं लेखा विभाग से अनुभाग अधिकारी (वित्त) नीना प्रदीप एवं अनुभाग अधिकारी (वित्त) शरद कुमार दानी, प्रोजेक्ट विभाग से मास्टर ऑपरेटर कम-तकनीशियन वी रमेश, नगर सेवायें विभाग से ओसीटी दयवीर मिश्रा, जूनियर हेल्थ इंस्पेक्टर विश्वनाथ देवांगन, चार्जमैन-कम-वरिष्ठ तकनीशियन अमित कुमार सोनी, कनिष्ठ स्टाफ सहायक हीरामणी एवं ओसीटी प्रकाश सहित मानव संसाधन विभाग से कनिष्ठ स्टाफ सहायक गोपाल सिंह को सम्मानित किया गया। इस समारोह में मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) उन्मेष भारद्वाज एवं मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) संदीप माथुर के द्वारा कर्मचारियों को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह समारोह सूचना एवं प्रोद्योगिकी विभाग के सभागार में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक (मानव संसाधन-गैर संकार्य एवं खदान) जे. एन. ठाकुर, महाप्रबंधक (मानव संसाधन-गैर संकार्य-चिकित्सा) आर रंजनी, उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) मानस भट्टाचार्य, उप महाप्रबंधक (परियोजनाएं) आशीष गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) कमरूद्दीन, सहायक महाप्रबंधक (नगर सेवाएं-पीएचई) पी.एल.साहू, सहायक महाप्रबंधक (परियोजनाएं-पीएमसी) जया तिवारी, सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-गैर संकार्य)नरेन्द्र इंगले, सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-नगर सेवाएं) जी. एम. वी. पद्मिनी कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) एम.वी.वी. प्रसाद, उप प्रबंधक (मानव संसाधन- पी.एण्ड ई.) गिरीश मढारिया, कनिष्ठ अधिकारी (नगर सेवाएं) मुकुन्द दास मानिकपुरी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस पुरस्कार योजना के तहत पुरस्कृत कार्मिकों को सम्मान स्वरूप प्रबंधन द्वारा उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह, कार्मिक की पत्नी के लिए प्रशंसा पत्र व मिठाई पैकेट प्रदान किये जाते हैं। साथ ही पुरस्कार विजेता की तस्वीर उनके विभाग के नोटिस बोर्ड में प्रदर्शित की जाती है।

खास खबर...

जिले में अब तक 335.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 01 जून से 27 जुलाई तक 355.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 579.3 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 219.5 मिमी बोरी तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 290.8 मिमी, तहसील धमधा में 239.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 299.4 मिमी और तहसील अहिवारा में 386.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 27 जुलाई को तहसील दुर्ग में 14.8 मिमी, धमधा तहसील में 8.4 मिमी, पाटन तहसील में 24.1 मिमी, बोरी तहसील में 10.5 मिमी, भिलाई-3 तहसील में 22.2 और अहिवारा तहसील में 15.2 वर्षा दर्ज की गई है।

सी.आई.एस.एफ. के जवानों ने किया रक्तदान

दुर्ग। सी.आई.एस.एफ सेक्टर-3 भिलाई द्वारा आज रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में सी.आई.एस.एफ से प्रतीभा अग्रवाल डीआईजी, डॉ. ईकबाल, श्री बीजू आर तथा सी.आई.एस.एफ के जवानों ने रक्तदान किया। इस प्रकार जिला चिकित्सालय दुर्ग को 22 यूनिट रक्त प्राप्त हुआ। शिविर में ब्लड बैंक नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण अग्रवाल, नर्सिंग आफिसर श्रीमती तरुणा रावत, काउंसलर टी. एस. एंथोनी, लैब इंचार्ज रूपेश सरपे, लैब टेक्नीशियन महेंद्र चंद्राकर, तीरथ यादव, कौशल साहू, हिमांशु चंद्राकर, अशोक मानिकपुरी प्रशिक्षणार्थी यशवंत, डेमन, नम्रता, मानसी उल्लेखनीय भूमिका और सकारात्मक सहयोग रहा और सभी ने रक्तदाताओं को साधुवाद देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

एस एम एस 3 में नॉन फाइनैन्शियल मोटिवेशन स्कीम गिफ्ट का वितरण

भिलाई। 26 जुलाई 2024 को स्टील मेल्टिंग शॉप -3 (एसएमएस-3) के सभागार में जनवरी 2024 से मार्च 2024 के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नॉन फाइनैन्शियल मोटिवेशन स्कीम के तहत उपहार वितरण किया गया। उपहार के रूप में एसएमएस-3 के सभी कार्मिकों को चांदी का सिक्का और वाटर बोतल देकर सम्मानित किया गया। इस उपहार वितरण कार्यक्रम में जनवरी के पश्चात सेवानिवृत्त हुए कार्मिकों को भी शामिल किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विभागाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक ए. बी. श्रीनिवास उपस्थित रहेद्य ए बी श्रीनिवास ने अपने उद्बोधन में एसएमएस-3 बिरादरी को बधाई देते हुए इसी प्रकार उत्पादन व सुरक्षा में अग्रणी बने रहने हेतु प्रेरित किया। प्रद्युम्न सत्पथी, महाप्रबंधक अतुल बेंडाले सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारिगण उपस्थित थे।

विधायक देवेन्द्र ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाया जनहित के मुद्दे

शिक्षकों की भर्ती नहीं होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने के विषय पर सदन का कराया ध्यान आकर्षण

श्रमबिन्दु / भिलाई

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में जनहित के मुद्दों को प्रश्नकाल के अलावा सदन में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से प्रमुखता से उठाया। विधानसभा सभा अध्यक्ष ने विधायक के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर अनुमति प्रदान की थी ,लेकिन अन्य विषयों पर सदन में विस्तार से सार्थक चर्चा होने की वजह से प्रदेश में शिक्षकों की भर्ती नहीं होने, गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा किसानों की सहमति के बिना बिछाई जा रही गैस पाइपलाइन और पीएम रिपोर्ट और पंचनामा के नाम पर पुलिस द्वारा अवैध वसूली के विषय पर सदन में चर्चा नहीं हो पाई।

विधानसभा सचिवालय से अध्यक्ष निर्देशानुसार उक्त विषयों का पत्र के माध्यम से जानकारी देने की सूचना उपलब्ध कराई है। विधायक यादव ने 25 जुलाई के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में कहा था कि, दुर्ग जिले में गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा मुंबई -नागपुर से झारसुगुड़ा तक प्राकृतिक गैस पाइपलाइन बिछाई जा रही है । यह पाइपलाइन दुर्ग जिले के धमधा और दुर्ग विकासखंड के 21 गांव से होकर गुजरेगी । इससे करीब 881 किसान प्रभावित होंगे।जबकि इसी विषय के मेरे एक प्रश्न के जवाब में राजस्व मंत्री द्वारा जवाब दिया गया है कि पाइपलाइन से 748 किसान प्रभावित होंगे। फसल नुकसान का मुआवजा का प्रावधान है। जबकि किसानों का आरोप है कि एजेंसी द्वारा किसानों को सूचना दिए बिना एवं सहमति पत्र में दबाव डालकर हस्ताक्षर करवाए जा रहे हैं । गांव के केवल 4-5 किसानों के खाते में ही पैसा डालकर गुमराह किया जा रहा है। एजेंसी द्वारा प्रशासन की उपस्थिति में रबी सीजन में चना गेहूं की खड़ी फसलों को मशीन चलाकर पाइपलाइन बिछा दी गई थी। अब खरीफ फसल की बुवाई व रोपा लगाने के बाद एजेंसी द्वारा मशीन से गड्ढा खोदकर पाइपलाइन बिछाई जा रही है। इस तरह से किसानों के हक को छीनने का प्रयास किया जा रहा है। हाल ही में ग्राम ढौर के किसान रघुवर दास द्वारा उनकी फसल पर मशीन चलाने का विरोध किए जाने पर पुलिस उन्हें थाने ले गई थी। जिससे गांव के किसानों में भारी रोष व्याप्त है।

इसी प्रकार 25 जुलाई को प्रदेश में शिक्षकों की भर्ती नहीं होने की विषय पर शिक्षा मंत्री का ध्यान आकर्षण कराया गया था ।जिसमें यह कहा गया है कि शिक्षा विभाग में 78000 से अधिक शिक्षकों के पद रिक्त हैं। लोकसभा चुनाव के पूर्व और वर्तमान शासन द्वारा घोषणा पत्र में 57 000 शिक्षकों के पद पर भर्ती की बात कही गई थी । तात्कालीन शिक्षा मंत्री द्वारा विधानसभा के पटल में 33000 नियमित स्कूल शिक्षकों की भर्ती की घोषणा की गई थी। छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित सरकार के 6 माह पूर्ण हो जाने के पश्चात भी नवीन शिक्षकों की भर्ती के विषय में कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई है। 26 जून 2024 से नई शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के बाद भी राज्य की कई शासकीय विद्यालय में शिक्षकों की भारी कमी है। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

छत्तीसगढ़ शिक्षक भर्ती परीक्षा 2023 के अंतर्गत म ई 2023 को विजापित रिक्त 57 72 पदों पर तथा रिक्त 1000 पदों को मिलाकर 6800 पदों में से केवल 4500 पदों पर चयन की प्रक्रिया पूर्ण हुई है। शेष रिक्त पदों पर चयन की प्रक्रिया को बिना कारण के रोक दिया गया है। नया शिक्षा सत्र आरंभ हो गया है जिससे शिक्षकों के अभाव की वजह से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। अभ्यर्थी कार्यालयों का चक्कर लगा रहे हैं ।लेकिन उनको संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जा रहा है इस तरह राज्य सरकार व्यापक लोकहिण की घोर उपेक्षा कर रही है। जशछत्तीसगढ़ के शिक्षित बेरोजगार युवाओं में भर्ती न होने से भविष्य को लेकर चिंता सता रही है।

विधायक ने 24 जुलाई को मेकाहारा एवं डीके अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु होने पर पंचनामा और पीएम रिपोर्ट के लिए पुलिसकर्मियों द्वारा की जा रही अवैध वसूली का विषय उठाया था। विधायक ने कहा था कि मृतकों के परिजनों द्वारा पैसे नहीं देने पर उन पर दबाव बनाकर रिपोर्ट रोकने बिगाड़ने तथा बीमा क्लेम की राशि को डुबो देने की धमकी दी जाती है।

कुशाभाऊ ठाकरे भवन में 29 जुलाई को जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर

श्रमबिन्दु / दुर्ग

नगर पालिक निगम क्षेत्र सीमा अंतर्गत में 29 जुलाई से 08 अगस्त तक जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर का आयोजन किया गया है। वार्ड वार सुबह 10 से दोपहर तीन बजे तक चयनित स्थान पर जन समस्या निवारण पखवाड़ा शिविर में आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। शिविर को सुचारू रूप से संपादित कराने कार्यपालन अभियंता दिनेश कुमार नेताम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया हैं।29 जुलाई को कुशाभाऊ ठाकरे भवन आदित्य नगर में होगा। इसमें वार्ड 14 से वार्ड 22 तक एवं वार्ड 57 लेकर वार्ड 60 तक के निवासियों द्वारा समस्या निवारण के लिए आवेदन प्रस्तुत किये जा सकेंगे।इसी प्रकार अन्य वार्डों में भी जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर का आयोजन किया जा रहा है. 31 जुलाई अंगार मोती सामुदायिक भवन वार्ड क्रमांक 33 में वार्ड 01 से वार्ड 06 तक 33 से 35 तक एवं वार्ड 56 तक. 01 अगस्त को बुद्ध विहार शंकर नगर वार्ड 07 से वार्ड 13 तक,05 अगस्त को जोन कार्यालय बोरसी में 50 से वार्ड 55 तक. इसके अलावा 07 अगस्त को विवेकानद भवन सभागार में वार्ड 36 से लेकर वार्ड 49 तक एवं 8 अगस्त को सिंधु भवन वार्ड 24 में शिविर वार्ड 23 से वार्ड 32 तक के वार्डवासियों के लिए शिविर होगा। वार्ड वार नागरिको की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वार्ड के नागरिको से आवेदन लिया जाएगा।छत्तीसगढ़ शासन, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेश पर कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश और आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन ने नगर निगम क्षेत्र के नागरिकों को नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए जनसमस्या निवारण पखवाड़ा शिविर में नागरिक अपना आवेदन कर सकते है।जैसे कि नल कनेक्शन,राशन कार्ड, राष्ट्रीय परिवार सहायता , वृध्दावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन निर्माण अनुज्ञप्तियां, अनापत्ति प्रमाण पत्र, नामांतरण, नल लीकेज / नलों के प्लेटफार्म से पानी बहना, नालियों/गलियों की सफाई, नलों में पानी न आना, कचरे की सफाई व परिवहन से टूटी-फूटी नालियों की मरम्मत, सड़को के गड्ढे पाटना, स्ट्रीट लाईट की मर्करी/बल्ब / निराकरण को दृष्टिगत रखते हुए दिनांक 29 जुलाई से 08 अगस्त के मध्य 'जन समस्या निवारण पखवाड़ा' के रूप में निकाय क्षेत्रांतर्गत वार्डवार शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

बीएसपी सीएसआर द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर

श्रमबिन्दु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी कड़ी में 27 जुलाई 2024 को ग्राम अंजोरा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। ग्राम अंजोरा में आयोजित चिकित्सा शिविर में डॉ एम सरस्वती, बीपी शुगर जांच हेतु श्रीमती रेखा देव, फार्मेसिस्ट श्री शशि भूषण राय, पंजीयन हेतु श्री मंजूर अली तथा सीएसआर विभाग से श्रीमती सीता सिन्हा उपस्थित थेद्य इस शिविर में कुल 36 लोगों की जांच करके उनको दवाईयों का वितरण किया गयाद्य प्रातः 10 बजे से प्रारंभ हुए शिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी जांच के अतिरिक्त निःशुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की निःशुल्क जाँच की सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है।

रिसाली निगम में जनसमस्या निवारण शिविर, 93 लोगों ने किया आवेदन, 50 की समस्याएं सुलझी

श्रमबिन्दु / भिलाई

रिसाली। नगर पालिक निगम के जनसमस्या निवारण शिविर में कुल 93 लोगों ने आवेदन प्रस्तुत किया। इसमें से 50 ऐसे शिकायत थे जिसका निराकरण मौके पर ही किया गया। नगर सुराज अभियान की शुरूआत करते डुण्डेरा में हिमानी साहू की गोद भराई की गई। वहीं तीन वरिष्ठ नागरिक की पेंशन लेने की इच्छा पूरी हुई।

वार्ड 35, 36 और 37 के जनसमस्या निवारण शिविर में बारिश होने के बाद भी 100 से अधिक लोग किसी न किसी समस्या के निराकरण के लिए पहुंचे थे। महिला एवं बाल विकास विभाग ने जानकी ढीमर के पुत्र कुबेर ढीमर का अन्न प्रासन्न भी कराया। वहीं अतिथियों ने हिमानी साहू की गोद भराई करते हुए पौष्टीक आहार से भरा टोकरी प्रदान की। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक चले शिविर में 8 हितग्राही खुद के लिए आवास मांगते आवेदन प्रस्तुत किया। जनसमस्या निवारण शिविर पखवाड़ा का उद्घाटन पार्षद खिलेन्द्र चंद्राकर और विधायक प्रतिनिधि के रूप में पहुंचे मण्डल अध्यक्ष शैलेन्द्र शेण्डे, महामंत्री राजू जंघेल, विक्की सोनी, अजीत चैधरी ने किया।

आधार अपडेशन में भीड़

शिविर स्थल में सबसे ज्यादा भीड़ आधार अपडेट कराने वालों की थी। कुल 32 लोगों ने आधार अपडेट कराते 7 लोगो ने ईलाज कराने आयुष्मान कार्ड बनवाया। शिविर स्थल पर 28873 रूपए की राजस्व वसूली भी की गई।

इसके अलावा 3 हितग्राही नल कनेक्शन, 3 नाली, सड़क संबंधी निर्माण के लिए और 28 लोग राशन कार्ड में नाम संशोधन कराने पहुंचे थे। सोमवार को जनसमस्या निवारण शिविर वार्ड 32 नेवई भाठा दुर्गा मंच मैदान में लगाया जाएगा। इस शिविर में वार्ड 32 नवई भाठा, वार्ड 33 नवई बस्ती पूर्व, वार्ड 34 नवई बस्ती पश्चिम के नागरिक समस्या मूलक आवेदन कर सकते है।

मिशन लाइफ के लिए इको क्लब पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रकृति दर्शन का आयोजन

श्रमबिन्दु / दुर्ग

बी-आर जे. शासकीय आदर्श कन्या शाला दुर्ग में दिनांक 07 जुलाई को शिक्षा सप्ताह के अन्तर्गत 'मिशन फॉर लाइफ इको क्लब दिवस का आयोजन वृहद स्तर पर किया गया. इस आयोजन में समुदाय की सह?भागिता निर्धारित करने के उद्देश्य से बालिकाओं के माता पिता को भी आमंत्रित किया गया. एक पेड़ माँ के नाम' जो माननीय प्रधानमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना है, में माताओं के द्वारा विद्यालय परिसर में हरसिंगार के पौधों की आरोपण किया गया. पालकों के द्वारा अति उत्साह से शिक्षकों व छात्राओं के साथ वृक्षारोपण किया गया. साथ ही समाज के बुजुर्गो के द्वारा छात्राओं को विभिन्न प्रकार के वृक्षों के बारे में उपयोगी जानकारी प्रदान की गई.यूथ एवं इको क्लब के सदस्यों के द्वारा रा पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली गई तथा प्रकृति को हरा भरा रखने की

जिम्मेदारी लेने एवं प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने के लिए स्वयं के साथ साथ समाज को भी जागरुक करने का बीड़ा उठाने की शपथ ली गई.छात्राओं को स्वच्छ रहने, समय पर शाला आने, बाल, नाखून आदि को स्वच्छ रखने, वस्त्रों को साफ सुथरा रखने विद्यालय परिसर एवं कक्षा को साफ सुथरा रखने की समझाइश भी बैठक में प्राचार्य डॉ श्रीमती कृष्णा अग्रवाल द्वारा दी गई उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज का निर्माण तभी सम्भव है जब भावी पीढ़ी इसके महत्व को समझे. विद्यालय में पोषण वाटिका का निर्माण भी यूथ इकों के कारा किया जा रहा है कार्यक्रम में श्रीमती स्वाति महापात्र प्रभारी इको क्लब, भीमती एस चन्दुवंशी, श्रीमती आई भुई।

भीमती एस राजौरिया, श्रीमती एस अग्रवाल मौजूद थे. पालकों में जागृति देवांगन, विजय- लक्ष्मी बन्धार, भूपेन्द्र महीर, अश्विनी देवांगन आदि पालकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।कार्यक्रम में उल्लास शपथ को भी स्वयंसेवी एवं शिक्षार्थियों द्वारा दिलवाया गया जिसमें उन्होने अपने आस पास के तबके को साक्षर बनाने की शपथ ली।

स्वामी / प्रकाशक / शिव श्रीवास्तव द्वारा विकास प्रकाशन 208 आकाशगंगा भिलाई से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-दिलीप श्रीवास्तव, जगदलपुर स्थानीय संपादक - अर्जुन झा * पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, प्रबंध संपादक-पुरेन्द्र देशमुख। फोन : 07883558190, मो. 9425228630